

रागप्रकाश

راگ پرکاش

जिसमें अनेक राग द्वारा श्री परब्रह्म भक्त भयहारी यशोदा
गृह बिहारी आनन्दकन्द श्री राधाकृष्ण और देव
भय हारिणी परम कृपा कारिणी श्री भगवती
श्री आदि का चरित्र वर्णित है

जिसको

श्री ७ मन्महाराजाधिराज सकल गुण निधान शीलवान्
श्री जगदीश्वरी प्रचण्ड कृपा पात्राधिकारी श्री राजा
माधोसिंह बहादुर क्षितिपाल अमेठी देशाधिपति ने
अनेक राजसम्बन्धी ग्रन्थों की रीति से मति अनुसार
ललित भाषा में निर्माण किया था

वही तीसरी बार

मुन्शी नवलकिशोर के छापेखाने में छापागया

लखनऊ

अक्टूबर सन् १८८३ ई०

विज्ञप्ति

इस महीने अर्थात् अक्तूबर सन् १८८३ ई० पर्य्यन्त जो पुस्तकें बेचने के लिये तय्यार हैं वह इस सूचीपत्र में लिखी हैं और उसका मोल भी बहुत किफ़ायत से घटाकर नियत हुवा है परन्तु व्यापारियों के लिये और भी सस्ती होंगी जिनको व्योपार की इच्छा हो वह छापेख़ाने के मुहतमिम अथवा मालिक के नाम ख़त भेजकर क़ीमत का निर्णय करलें ॥

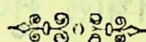
नाम किताब	नाम किताब	नाम किताब
भाषा इतिहास महाभारत १- पहिले हिस्सा में आदि पर्व्व सभा पर्व्व - वन पर्व्व २-दूसरे हिस्सा में विराट् पर्व्व उद्योग पर्व्व भीष्म पर्व्व द्रोण पर्व्व ३- तीसरे हिस्सा में कर्ण पर्व्व शल्य पर्व्व गदा पर्व्व सौप्तिक पर्व्व ऐषिक पर्व्व विशोक पर्व्व स्त्री पर्व्व शान्ति पर्व्व में राजधर्म्म आपद्धर्म्म मोक्षधर्म्म ४ - चौथे हिस्सा में शान्ति पर्व्व दान धर्म्म अश्वमेध आश्रमवासिक	पर्व्व व मौशल पर्व्व महा प्रस्थान पर्व्व स्वर्गा रोहण पर्व्व हरिवंश पर्व्व महाभारत पर्व्व अलेहदा भी हैं १- आदि पर्व्व २- सभा पर्व्व ३- वन पर्व्व ४- विराट् पर्व्व ५- उद्योग पर्व्व ६- भीष्म पर्व्व ७- द्रोण पर्व्व ८- कर्ण पर्व्व ९ शल्य पर्व्व व गदा पर्व्व सौप्तिक पर्व्व अथ ऐषिक व विशोक व स्त्री पर्व्व १०- शान्ति पर्व्व राज-	धर्म्म व आपद् धर्म्म व मोक्ष धर्म्म दान धर्म्म ११- अश्वमेध आश्रम वासिक पर्व्व व मौशल पर्व्व महाप्रस्थान स्वर्गा रोहण १२- हरिवंश पर्व्व महाभारत भाषा सबल सिंह चौहान कृत १ - आदिपर्व्व २ - सभा पर्व्व ३ - विराट् पर्व्व ४ - उद्योग पर्व्व ५ - भीष्म पर्व्व ६ - द्रोण पर्व्व ७ - कर्ण पर्व्व ८ - शल्य पर्व्व ९ - गदा पर्व्व १० - स्त्री पर्व्व ११ - स्वर्गारोहण पर्व्व





श्रीगणेशायनमः ॥

रागप्रकाश ॥



दोहा ॥

श्रीसतगुरुपदपंकरुह प्रणवौंसहितसनेहु ॥
दासबिनयसुनिकरिकृपा बिशदबिमलमतिदेहु १
भवतारणिकारणि जगतसुबसबिहारिणिमात॥अ
धमउधारणिअघहरणिसुयशवेदबिख्यात २ सि
द्धिसदनसुन्दरबदन रदनएकचषतीन ॥मदनकद
नसुतचन्द्रयुतद्रवहुजानिजनदीन ३ दिनकरकु
लकछ्वाहतेबंलधुगोत्रप्रसिद्धि॥ नृपमाधवक्षिति
पालजू कियोरागकीवृद्धि ४ ॥ सोरठा ॥ बिदित
अमेठीदेश अवधजन्मजामध्यमें ॥ कीन्ह्योबासन
रेश रामनगरआश्रमसुभग ५ गुरुपञ्चमिमधुमा
स शाकेसत्रहसैअसी ॥ बिरच्योरागप्रकाशबहु
ग्रन्थनअवलोकिकै ६ बुधजनतजैंनबानिरहैभला
ईभलेनकी ॥ काव्यपरिश्रमजानि भूलोदेखिसुधा
रिहैं ७॥ रागभैरवतालचौतालाध्रुपद ॥ शिवगुरुमनिशबि

वेकरबिहतबहुवृजिनजाल सुरबरगणबिनुतपाद मन्तरायकालम् । बोधभानुभानुराजशीर्णशेषज नराजिबर्त्यबोधतिमिरकन्दमिन्दुभूषभालम् । अ जिनबसनसातसदनचारु भुजगरत्नभूषदनुजाम रसेव्यपादपद्ममिनसुधां सुबीतिहोत्रलोचनं हि बिशरणशरणम् ।अर्णौमिजह्नुजाबिराजमानमौ लमुण्डमालम् ८ ॥ रागभैरवतालचौतालाध्रुपद ॥ बाले जगजननि अम्बचरणशरणहरिदिनेशसहसबद नसुयशगीतसुरबरहितकारी ।अरुणकमलपदनि वासपुस्तकबरअभयदान अंकुशमालाबिचित्रधनु षपाशधारी । चंद्रभानुश्रवणभूषशोभितशशिरोरि माथरबिसमशिरमुकुटराजिदेवबिघ्नहारी ।जगत जलधिपारदेविकीजैक्षितिपाल बालरक्षरक्षमहा रानिरामकृष्णतारी ९ ॥ रागभैरवचौतालाध्रुपद ॥ ग णपतिगजबदनदेव शोभितशशिभाललालअभ यकमलपरशुशूलसहितकरबिधाता ।सुरनप्रणत पादनाथ त्रिभुवनरचनाअधार अर्थधर्मकाममोक्ष दोजैममदाता । बिघ्नकदनशुभगरदन कोटिसूर्य्य समप्रकाश बिनतीक्षितिपालबाल सुनियेहेताता । तीनिदेवशीघ्रछांहचरणनमहिमाअपार देहुबुद्धि

शुद्धबेगिगौरीतनजाता १० ॥ अथभैरवरागश्रीरागिनी मध्यमादिचौताला ॥ जयजयजगजननिअम्बसुरपति हरिपूज्यपाद पापशोकदुःखदलनि असुरदलप्र हारी। चगडमुगडरक्तबीज शुम्भहत्योसैन्यनाश धूम्रदुष्टभस्मस्वास महिषतूबिदारी। ब्रह्मरुद्रतुव अधार देवनकोतुहीआश तीनिभुवनसकलजीव देविआपुतारी। चरणएकहैअलम्ब कीजैक्षितिपा लपार सोइगईमहारानिदासकोउबारी ११ ॥ रागभैरवीचौताला ॥ मुरलीधरमुरलीबजावैंरी प्यारी चलुतोहिंदिखावैंरी। अतिबिचित्रतनचारुबिराजै देखततुरतरिझावैंरी। जियहुलासदोऊमिलिबिहरैं सौतिनबिरहसुनावैंरी। भक्तिमातुक्षितिपालबिन ययहश्यामलतुमहिंमनावैंरी १२ ॥ रागबंगालहोरी धमारि ॥ चलोहोरीखेलैंधूममचावैं पकरिलालदैगा री। दुलहीश्यामकुवँरिराधाजू जीतिआजकरैंप्या री। पगनलाययशुमतिसोंकहियेपेखुमातुगिरिधा री। लखिबिपरीतिमगनक्षितिपालजूधनिवृन्दाब ननारी १३ ॥ रागबराटिकाचौताला ॥ सूरसूर्य्यमार तगड मिहिरअर्कचित्रभानु दिनकररबिबिवस्वान तिमिरनाशकारी। लोकनाथलोकचक्षुग्रहपतिहरि

उष्णरश्मि भास्करहरिदश्वमित्र दुःखनाशकारी। कुण्डलयुगराजमान सरसीरुहचक्रपाणि एकचक्र हेमजान दैत्यनाशकारी । ध्यानदेहुअम्बपाद सेव कक्षितिपालबाल कालतातजगतनाथ मोहनाश कारी १४ ॥ रागसैंधवीहोरीधमारि ॥ सुनोंबलफेटसँ भारो ग्वालटेरदेसजि किशोरचढ़िआई । दौरिप्या रिबिजुरीसीहरिपैमुरलिहारहरिलाई।मगनराधि कारंगउड़ावै सकुचिलालशिरनाई । बिनयसुनो क्षितिपालकृष्णदे चरणध्यानश्रीमाई १५ ॥ राग मालकोसचौताला॥ गौरीपदभजनकरो तूरेसुरपालय जगतमातुतजोबिषयध्यावदेवि । बरणतअपूर्बरू प गावैंज्यहिचारवेद चतुराननजूअन्तहूनपावैदे वि। श्रीरूपमोहनाशयपालैरचैजगतमुनिगणध्या नकरतसकलआदिदेवि । क्षितिपालचिन्तादूरिक रोअम्बहरितेरो चरणपायदेवैचारौ अर्थदासनको तुहीदेवि १६ ॥ रागटोड़ीतालचौताला ॥ अम्बचरण ध्यानधरो जगतमोहनाशकरो तनपबित्रवेगिहोत सुरपतिपदपाई । हरिदिनेशब्रह्मरुद्र सहसानन सकलदेव तीनिलोकजड़चैतन्य महामायगाई । बुद्धिरूपज्ञानरूप दयारूपदानरूप निराकारस

त्यरूप ऐसीवहमाई। येभवानिसुनहुटेर बिनती
क्षितिपालबाल कालत्रासमेटुबेगि देरीमतिलाई
१७॥ रागखंभावतीचौताला ॥ पावसऋतुआयोचको
र मोरशोरधुकारमेघ श्रवणपरतअतिबिरहप्यारी
बिनश्यामपाय। कामदहनबिकलसकलतनभरत
स्वास चपलबंकदुःखदाय। घूमिसदनमलिनबद
न लखिसूनिसेजनयनजलभरिआय। बामबिबस
अनिलसलिल चहुंझकोरजोरशोर क्षितिपालझ
रिलाय १८॥ रागगौरीतालचौताला ॥ शूलपाणिशंभु
नाथ शंकरशिवनीलकण्ठ पशुपतिहरमहादेव
जगतगुरुबिधाता। जटाजूटगङ्गाधर इन्दुभालस
र्पमाल शोभितसर्वांगभस्म ज्ञानरूपताता। कर
त्रिशूलचापबाण डमरूअरुपरशुचर्म्म अर्थधर्म्म
काममोक्ष बामदेवदाता। महाअज्ञजानुनाथ सेव
कक्षितिपालबाल भक्तिएकदेहुमोहिं त्रिभुवनयो
माता १९॥ रागगुणक्रीतालशूलफाक्ता ॥ त्रिलोकजन
नी भवसमुद्रहरनी शरणदासपरनी शास्त्रबिदि
तकरनी सकलजीवभरनी ज्ञानयोगसरनी क्षि
तिपालशोकदलनी देदयालुतरनी २०॥ रागकुकु
भचौताला ॥ धन्यकालिकादयाल सिंहचढ़ीअतिक

राल गरजतकरखड्गशूल असुरध्वंसकारी। इति
निशुम्भशुम्भकाटि मुण्डदलयोमहिषनाशतदान
वदलचर्वयन्ति रक्तबीजमारी। सर्वआदिसर्वरूप
तारकतूसर्बनाम ब्यापकजगसर्बजीव हरिबिरं
चितारी। शरणएकतुहीमातुसुनियेक्षितिपालआ
श चरणतरणिबेगिदेहु भवसमुद्रभारी २१॥
राग हिंडोलतालचौताला॥ गावोतूमहामाय भवभयवह
हरततुरतमनावतपावतचारोदेवेशसगनसहसान
न महिमाकौनपारजानध्यावहुंहेबाला। अरुणच
रणशुभनूपुरसोहत नखकीद्युतिदेखतलज्जानि
शाकरमनकरतहै भूषणबसनशुभगलाल चारुब
दनमुकुटलखतदिनकरभ्रमसाला।करअँकुशचाप
बाणगदाअशिबिराजमान अभयदानीवेदबिदित
सर्बआदिब्रह्मपूज्यपादतारकयशमयीदयालुरूप
वहभवानिहरतजगतकलुषजाला। देवटेरश्रवण
परतप्रकटआयछांहकीने निशुम्भशुम्भकोकाट्यो
मुण्डबिदारेवमहारानि बेगिभजोक्षितिपालबाल
सुखजोचहतपरिणामसेवतूत्रिकाला २२॥ हिंडो
लकीरागिनीरागबिलावलहोरीतालधमार॥ धुनि॥ बमा रिमो
हनकीसुतुरीबजतमुरलीधुनिबनकीओररी। डफ

धुकारअबीरनभपूरितजनुबरषाकोअधिकजोररी २३ ॥ रागरामकलीतालधमारि ॥ खेलतदोऊचाचरिभानुसुतापैब्रजनारीनँदलाला। चहुँगुलाबकेसरिरँगबरसेनचतनारिगतिताला। चमकिप्यारेचपलासीआईपलटिगईलैमाला। धन्यफागुक्षितिपालकृष्णजूभक्तिदेहुश्रीबाला २४ ॥ रागदेशाख्यहोरीतालधमारि ॥ देखोरीधँसिआयोनँदनन्दनजूकरगुलालपिचकारी। हँसियेरीलैनामललीकोजीतश्यामकीजारी। गहोदोरिमुरलीधरिछीनोकसोफेंटसखिसारी। जयतिमातुराधाजीहोरीसुनिक्षितिपालहितारी २५ ॥ रागपटमंजरीतालझपताला ॥ भवानीमृड़ानीकालिकामातुताराश्रीबाला। बाकदानीरुद्राणीसुबाणीमंगलापिंगलाभद्रकालीअम्बाकृपाला। ईशरानीइशानीत्रिपुराचण्डिकागौरीमुण्डमालिनशिवादुर्गाबिशाला। पार्बतीबगलाबिन्ध्यबासिनीध्यावोतूक्षितिपालत्रिकाला २६॥ रागललिततालचौताला॥ प्रगटज्योतिज्वालाजीत्रिभुवनमहरानी। शम्भुकृष्णरामआदि पावतनहिंध्यानबीचप्रलयसमयसुरनशरण दासअपनजानी। असुरनाशसुरनराखि पालयतुवतीनलोक सकलबिदितब्रह्म

आदिदेवनसबमानी। बिनयसुनोतुरतमातुबेला
क्षितिपालआइ मोहजगतछांड़िजपत सुनोअम्ब
दानी २७ ॥ रागदीपकचौताला ॥ श्रीजूभजोअधीर
चेतोतोजगतपावै।करुणासिन्धुअंधलक्ष्मीतूगावै।
बंदनाकेपंथमनहिं क्षितिपाललावै। सेवैतूअम्बा
चरणकालकोसतावै २८ ॥ दीपककीरागिनीरागकेदार
ध्रुपदचौताला ॥ कुंजनबिचबेनुलियेटेरतबनमाली।
गोपीहियरागयेबेधिव्याकुलहैहोशनाहिं तानफां
सकृष्णलालहमपरयहबाली।दुखीप्राणदेखिश्या
मप्रगटभयेबेगिआपनाचिउठीं सकलनारिदैदैकर
ताली। तीनिलोकपारकरतजानतक्षितिपालआपु
ध्यानमोहिंदेहुनाथकाशिरानिकाली २९ ॥ राग
कान्हरादरबारीतालधमारि ॥ श्यामतुमढीठभयेहोमान
हियेमेंतिलकदईब्रजराजो। सहितरामतोकोधरि
बांधोंनारिबेषकरिसाजों। फागजीतराधाकीजानो
शपथकान्हनहिंभाजों।माइचरणक्षितिपालकृष्ण
देअन्यदेवनहिंकाजों ३० ॥ रागदेशीतालधमारि ॥
श्यामधनिरीतितिहारी धूममचावेंसौंहबेनमलि
छोरों।तुअभगिनीदुलहिनिसोंकरिहौरामपकरिग
ठिजोरौं। युवतिभीरयशुमतिपैजैहैसहसकुंभतो

बोरों। मिथ्यानहिंक्षितिपालजानुहेमानलालसुन
तोरों ३१ ॥ रागकामोदधमारिताल ॥ श्यामपहँप्यारि
चलीयुवतिएकङ्कै छलजानतब्रनवारी। मुरलिछीन
अबिरामुखमेलेंबेषनारिकरिडारी। पकरिरामनूपुर
पगबांधेदेखिग्वालबलिहारी। ध्यानदेबिक्षितिपा
लकान्हदेदासकृपाकीपारी ३२॥ रागनटचौताला ॥
महाकालिकाशिरानिगौरीबाजगतजननिशूलधर
निमहारानिअम्बजूभवानी। ईश्वरीमहेश्वरीदुर्गा
परमेश्वरीत्रिपरातारा शिवादेविशंभुरानी। कमला
सनिशवआसनिदुष्टदैत्यदलनाशिनि जयतितूमृ
ड़ानी। शरणशरणरटतमातुमेटोक्षितिपालप्यास
दरशचरणदेहुबेगिकैसीतूदानी३३ ॥श्रीरागचौताल॥
जयजयजगदम्बदेवि हरिबिधिरबिप्रणतपादसु
रपतिमुनि गुरुगणेशहिमकरसुखदाई । भानु
कोटिशोभिमौलि विद्याअंकुशबिराजपाशमाल्य
धनुषधारि त्रिबिधिवेदगाई। अरुणबसनमन्दहँस
न तीनिनयनचन्द्रभाल सुनिये क्षितिपाल आश
चरणकमलपाई। महासिन्धुघारपार समरथनहिं
अन्यमातु पाहिपाहिकाशिरानि राखुशरणमाई
३४ ॥ अथश्रीरागकीरागनीरागबसंतचौताला ॥ ललित

लवंगलताबिकसितरी चहुंदिशिआयोऋतुपति अलिपिकगाई । मारुतमलयमन्दहिम सुरभि डोलै तरुणनारिसुखदाई। रमणीरसालसूनुकिश लयबिशालकुम्भ चन्द्रबदनिलैआई।रचैचारुराग तालयहक्षितिपालगावैरागबसन्तजताई ३५॥ राग मालवा चौताला ॥ जगतजननिजालिपा दुःखदलनि अभयदानि सुरपतिहरिसेव्यपाद शास्त्रवेदगाई। पापहरणिशोकहतनि अद्भुतबहुसुखकरनि कौन गनैतुच्छजीव गतिबिरञ्चिपाई। आदिआपु अन्त आपु कारणवहव्याप्यआपु यज्ञदानरूपआपु स कलतूदेखाई।चरणशरणआपुएक कीजैक्षितिपा ल पार कोटिनतरनिकटतरत रक्षरक्षमाई ३६॥ रागमालश्रीतालधमारि ॥ प्रियाजूचलिखेलैंहोरिको सुनिपुकार बनमाली। पकरिग्वालबलकोमुखमी जैरंगश्यामपैघाली। जीतफागब्रजमेंयशहोवैहँसैं नारिदैताली।घनिधमारिक्षितिपालललीजू दरश मोहिंदेकाली ३७॥ रागधनाश्रीचौताला ॥ प्रकटआपु पारवती हिमगिरिपरआई। देवपाद शीशनाइ शुम्भादिककोनाशकरो दुःखजगतदूरिहोय सुनु तू अबमाई। यज्ञजापहोमआदि रोकिग्रहणकिया

दुष्ट सुनोगौरिकाशिरानि शरणकवनपाई। भक्ति एकमिलैबेगि बिनतीक्षितिपालमानि कृष्णइन्द्र निकटआइ चरणशरणपाई ३८॥ रागआसावरी तालधमारि॥ प्यारीसँगलालनखेलत हँसिहँसिफेंक तअबिरकीझोरी। गहिकिशोरमोहनझकझोर्यो मुखबिच मेल्योरोरी। सखिदुलारिब्रजपति कर छीन्योजीत्योराधाहोरी। चरणगौरिप्यासाक्षिति पालहिसुनुश्यामलयहमोरी ३९॥ अथमेघरागताल शूलफाक्ता॥ मनलवचरणनकालीमूरे असुरहनन सुरनशरनमैया। मालानरकपालशक्तिखड्गलै शूलहाथदनुजहनैया। रमापतिसुरनिपतिसहाईऔ रध्यायब्रह्मजोजगतरचैया। क्षितिपालआशाको तुरितहिंतूभरबारबारपादभजैया ४०॥ रागमलार तालचौताला॥ उमड़िघुमड़िमेघबरसि चमकिदमकि विद्युच्छटा बुन्दपरतमन्दगरजि अतिहीसुखदायी री। चहुंदिशिझकोरपवनचलतयमुनाजीजोरशोर मधुरसुरनमोरटेरि दादुरपिकजताईरी। सुरत मिलनद्रुमनआजु रसबसजलथलसचेत युगुल रूपसकलहोत पावसछबिदेखाईरी। बिनयसुनो बेगिदेहुजलपति हे सुरनईश दरशमातुतुरतहि

क्षितिपालयहसुनाईरी ४१ ॥ रागदेशशृङ्गारतालधमारि ॥ लालाललीशुभगर्बानिजोरी । सखीसखामिलिखेलतहोरी । एकएककरगहैप्रीतिसों देखतहँसैंदोऊमुखमोरी । ललिताकहैमहरितेबोलौं भूलिजाइसगरीतुवचोरी । चूकपरीक्षितिपालदासकीमेटुमातुहमरीसबखोरी ४२ ॥ रागभूपालीधमारि ॥ साजिदोऊहोरीरचीहैकुंजगलीमैंकृष्णराधिकारानी । बैबँसुरीपटुकाधरिछीनोलालवोढ़नीधानी । भिरीभीरमानतनहिंकोऊजीतिएकयहठानी । सुनहुंकान्हक्षितिपालबेगिदेचरणनभक्तिभवानी ४३ ॥ रागगुर्जरीचौताला ॥ जयतिजयतिशम्भुरानि खड्गचर्मधनुषशूल मुण्डमालश्यामरूपबिनवौंतुवकाली । प्रलयसमयसुरनईश चरणकमलशरणदेत असुरनाशशम्भुशीशशोणितकरथाली । ब्रह्मविष्णुरविगणेश स्वासबीचप्रकटहोत रचतभरतहरतआपुत्रिभुवनकीमाली । बिनयकरतपाणिजोरिसुनियेक्षितिपालआश जगततरतनिकटआय मैंतातूपाली ४४ ॥ रागटङ्कयाचाताल ॥ भजुमनअम्बश्रीदानी । गावतवेदसुरमानी । यहक्षितिपालनिजजानी । देमहरानीशुभगबानी ४५ ॥ घ्रुपदछरागछताल

कर ॥ हतोचण्डकेअसुरखड्गलैसुरनवर्गबोलेपुकारिजै चण्डमुण्डदानवसमूह अतिरक्तबीजकाट्यो त्रिशूललै खलनिशुम्भखंड्योकराल असिदल्यो शुम्भमुष्टिकप्रहारकै महिषआदिमार्योअनेक तुवराखिदेवचरणनपवित्रहै तुवचरित्रबरणौमुरारि किमि शम्भुनाथपायोनपारपै दासजानिक्षितिपालआशसुनु मेटुबेगियमराजघोरभै ४६ ॥ राग भैरव चौताला मालकोशजल्द तिताला हिंडोल शूलफाक्तादीपक रूपतालाश्रीरागतालयाचा मेघब्रह्मताला ४७ ॥ दोहा ॥ शास्त्रविहितमतजोमिले सोबर्णनकरिदीन्ह ॥ आदरकरिहैंबुधरसिक बुद्धिपायश्रमचीन्ह ४८ लोकरीतिअबकहतहौं यथाकालब्रतमान ॥ सुनिआदरकरिहैंअधिक यहरसरसिकसुजान ४९ ॥ रागभैरवचौताला ॥ प्रकटभईमहारानि बिन्ध्यशिखरमाहीं । ब्रह्मरुद्रकृष्णआदिसेवतहैंगौरिआपुछोड़ितुमहिंजाउँकहांशरणऔरनाहीं । जन्ममरणनाशहोत गावैंजेनामदेवि राखिलेतबिपतिबीच चरणकमलछाहीं । सुनोमातुदरशदेहुबेलाक्षितिपालआजु जगतसकलपारकरत पाहिपाहिपाहीं ५० ॥ रागभैरवशूलफाक्ता ॥ गौरिपुत्रगणपतिहेताता

देहुभक्तित्रिभुवनजोमाता। शोकनाशसुखकरन कहावतयातेनामजपततुवताता। अरुणवेषबंदित वेदनसों माथबिभूतिशुभगयहगाता। अम्बदास क्षितिपालज्ञानदेसंकटमोचनबुद्धिबिधाता ५१॥ रागभैरवकत्तारखानीख्याल॥ बटुकनाथबेगिहिदीजैबर। दासदयालु पापनाशककर। काशीपुरीप्यासद र्शनममतामूमुखीतुरतैहरियेडर। रूपदेखिक्षिति पालस्वामितुव मानसपूरकरोकरुणासर ५२॥ रागभैरवख्यालकत्तारखानी॥ होरिमेंसखियाँडोलैंबति याँबोलैंरसभरीभागिनोएसन। बिनुश्यामनभावै एक्षितिपालहिआलीमिलनकीजै पापरोतेरोराखु जीसुनीएसन ५३॥ रागभैरवीध्रुपदचौताला॥ सखी चलुझूलैंश्यामहिंडोल सखासुभगदेखैंवहगो ल। राधासहितलालछबिशोभितफरकैंअधरना कबिचलोल। डफसितारनीकेसुरबोलतमनमो हनबाजतवहढोल। महामायक्षितिपालध्यानदे जियबिकानश्यामलबिनमोल ५४॥ रागभैरवी ख्याल तालतिलवाड़ा॥ दयासिन्धुबिनतीसुनुमाईयज्ञ दरशकाशीबिचपाई सिद्धिकरोक्षितिपालआसकी सकलत्यागि शरणागतआई ५५॥ राग गुणकरीशूल

फाक्ता ॥ मैयापगपाई प्रतापगाई तू दे ताई भवको पारयह क्षितिपालकोचरणनलाई ५६ ॥रागगुण- करीशूलफाक्ता ॥ अम्बेमतिदेई तूचरणध्याई जोजो गाईतूयशनाम सुनुक्षितिपालजूबिनवतमाई ५७ रागगुणकरीख्यालतिलवाड़ाताल ॥ पेखानसखी लालकी मोहीरीमरमकसकसरसालकी नटवरजूक्षिति पालप्रकटभैभयोचन्द्रद्युतिभालकी ५८ ॥ख्याल गुणकरी केतारखानी ॥ करत्रिशूलगहुचण्डकेदुष्टनशी शबिदारी ॥ अतिसंकटनाशननहिंकोऊतुवक्षिति पालपुकारी ५६ ॥ रागविभासख्यालकत्तारखानी ॥ सुनो कुवँरबरबातहमारी जियकीदरदसयनकरिछुटा वाप्यारे यहक्षितिपालप्रियाप्रीतमसो कामबिब समनकी खबरगईबशमनप्यारे ६० ॥ रागविभास चौताला ॥ श्रवणपरतबिकलनारि गवनेकोचाला। जियतोअबपृथकहोम जीवनकयहिभांतिहोइ बि बसबामऊर्द्धश्वासहियबिचसरशाला। सदननि कटकुवँरफेरिदेखततनअधिकपीर नीरयन्त्ररचि तरचितप्यारेबैठतवहहाला।दीनबन्धुश्यामलाल दीजैक्षितिपालआश चरणकमलदरशबेगि अम्बे जू बाला ६१ ॥ रागललितध्रुपदतालचौताला ॥ गिरिवर

धरकेलिकरतबंशीबटमाहीं । शुभगरूपसकल नारि मोहितहैंदेवदेवदेखिपलटगहीश्याम दव रिदैकैगलबाहीं । श्रवतबुन्दकृष्णअंग पोंछत राधाकुमारिअधरमुरलिगानकरैकदमनकीछाहीं। दीनबंधुवेदकहै सुनियेक्षितिपाललालअंबध्यान जगतछांड़िमानसबिचचाहीं ६२ ॥ रागललितहोली तालधमारि ॥ आजयहहोरिमचीहैनन्दलालसोंश्री वृषभानकिशोरिसंग । लैगुलालपिचकारिनमा- रतहुलसतपरमउमंग । दैकरतालगोपगोपीसब बिहँसतहिलमिलसंग । जनुघनश्याममध्यदामि नद्युतिभूषणझलकतअंग । दवरिलालचूंदरीउता रतउघटतउरजउतंग । परमबिचित्ररूपदोउके सकुचतदेखिअनंग। हरषतदेखिसुमनझरिबरषत सुरपतिसहितमतंग । सुरसमाजनभमध्यबिरा- जतकहिक्षितिपालसुढंग ६३ ॥ ख्यालईमनबिलावल कतारखानी ॥ टेरतमोरबानकीभईकलिनपरतसुर- झाई ॥ सुधिपियभरतबिकलक्षितिपालबापिकर बिअधिकसुनाई ६४ पीतसबलिहारिहारिगईदो हनदेमोहिंगाई ॥ कुशलकहोक्षितिपालप्रियाकी हेजूकैसेपठाई ६५ ॥ रागअलैयाध्रुपदचौताला ॥ जन्म

मरणनाशचहो सुमिरोशठमाई । रचतभरत हरतदेवित्रिभुवनकारण दयालुशम्भुब्रह्मराम आदिमहिमानहिंपाई । सत्यरूपनिराकार परम ज्योतिशक्तिनामदेवनयुतप्रणतपादचारिवेदगाई। त्राहित्राहिमहारानि कीजेक्षितिपालपारसकल त्यागिचरणभजत शरणकवनजाई ६६ ॥ राग कलैया होलीधमारि ॥ आजुचलुफागमचीहै रामलक्ष णजूश्रीसीताकेधाम । सुरअपराशब्दयहबोलै धनिरघुबरअरुसंगकीबाम । बिहँसिचलेसकल पुरबासीगावतफिरतरटतलैनाम । जातिआपुक्षि तिपालकहावतदेहुगौरि जपअवरनकाम ६७ राग अलैया ख्यालकत्तारखानी ॥ हिंडोलाझूलतश्रीमहरा- नी। आदिब्रह्मश्रुतिदेवबखानी । करिब्रतजप क्षितिपालध्यानकरु कारणहैजगमातुभवानी । ६८ ॥ ख्यालअलैयातिलवारा ॥ हरेशठक्योंनभजैमह- रानी। अन्यमूढ़मदमानी । जाकीकृपाशिवहरिहु बिजोवैसोक्षितिपालनजानी ६९ ॥ रागदेवगिरा ख्यालतालतिलवाड़ा ॥ तजोजड़भूलआपनीचरणअम्ब पगलीजै। यहकुसंगक्षितिपालत्यागुतूध्यानदेवि कोकीजै ७०॥ रागमुकुन्दबेला बलधुपदचौताला ॥ तजि

दीन्हींमोहिंकन्हाईरे। बनचातृकशोर मचाईरे।
पिककीकूकहूकउरसालत दादुरअधिकसुनाईरे।
अतिसुकमारिप्रियावह लोटतिविरहाअनिजना
ईरे। अतिब्याकुलक्षितिपालदेखिकैयहदुखश्याम
सहाईरे७१ ॥ रागगुर्जरीहोलीधमारि ॥ आजुवृषभानु
सुतासँगफागरचोहै नंदनँदनगिरिधारी। उड़ि
गुलाल धूंधुरअँधियारी लपटिचलीपिचकारी।
श्यामगहीचूनरिकिशोरिकी युवतिनभावतगारी।
रंगभूमिक्षितिपालल ड़ेदोउचंद्रभानुदैतारी ७२
रागटोड़ीध्रुपद तालचौताला ॥अम्बचरणमूढ़भजोत्रिभुव
नवहमाई। सकलदेवशरणआई। इन्द्रादिकौनहिं
अन्तपाई तीनिदेवसहसानन चारिबेदगाई।
असुरभीर भक्षिरूपसुरमुनितुवपालयरूपतीनि
लोकरचितरूपअधमचेतुधाई। त्राहित्राहिशम्भु
रानिसुनिये क्षितिपालआशअन्यदेवतोहिंजपैंश
रणकवनजाई ७३ ॥ राग येमनपुरीख्याल यकताला ॥
ध्यावोरेनिशिवासरबालाकेपगनको यमकीत्रास
मिटावो। हेक्षितिपालशरणदृढ़जावोजानोमृगी
प्यासक्योंवावो ७४॥ रागवरारीताल तिलवाड़ा ॥ न-
हिंआयेनन्ददुलारारे। पावसमोरपुकारारे। भूप

गाव्रसननंदनिशिबासर उनबिनकछुनहिंप्यारा
रे ७५ कबऐहैं प्राणअधारारे। सुनऊधोबचनह
मारारे। अवधिबदीसुधिहूनहिंलीन्हीं जियतें
सुरतिबिसारारे ७६ बनचातृकमोर पुकारारे।
नहिंआयेश्यामपियारारे। दादुररटत रटनबिजु
लीकीनभछायेबादरकारारे ७७॥ रागषटहोरीधमार॥
प्यारीचलुवृमहोरिकीश्यामराधिका अतिहुलास
युतखेलैं। करअबीरपिचकारीदोउलीन्हें सखि
समूहरँगढेलैं। ग्वालभीरगावतधमारिसबपकरि
नारिउरमेलैं। आहिआहिबालापगदीजे यहक्षि
तिपालतोचेलैं ७८॥ रागषट्ख्यालतालतिलवाग॥ सु
नोदेबिदरशचरणकीदीजै। अरुअनन्यमतिकीजै।
अन्यदेवक्षितिपालआशनहिं बिनयग्रहणकरिली
जै ७९॥ रागषटघ्रुपदतालचपक॥ ध्यानकरुनामजपु
जननिजगदम्बको। राखुतुवआशक्षितिपालश्री
अम्बको। पतितपावनसुखकरनि वहदासको।
सकलतजिजपोसतुमातुहेरम्बको ८०॥रागआसा-
वरीताल तिलवाड़ा॥ भजुक्षितिपालहेचरणभवानी।
त्रिभुवनकारनिबेदपूजि वहभवभंजनिमहरानी।
८१॥ रागयोगियाख्यालतालवाड़ा॥ देवी ३ जोकहै

तीनिबेर परेपरेजोसांवहपावैं । सुनुक्षितिपाल तूसकलदेवतजिअम्बध्यानमनलावै ८२ ॥ रागबसन्तख्यालकत्तारखानी ॥ गावैरीबसंततानयुत काशिरानिदरबार केशरिपुष्परोरि क्षितिपाललैपूजितरोंभवपार ८३ ॥ रागपंचमध्रुपद तालवाड़ा ॥ बालाकोचरणभजोहे नाशैपापपुंजशोकहरेजोबिनवै । गौरीभवानीमाहैगिरिजामाई त्रिपुराजूकमलाकालीवै । बिद्याधर सुरनायकपवनअनलहू प्रणतपालगावतजोजनपरसुखपावै।क्षितिपालरटोदेवीशरणभंरंनिजमहारानि दासशर्मसदनवहदेवै । ८४ ॥ ध्रुपदत लवाड़ा ॥ माईकोध्यानधरोहेकालत्रासनाशकरैजोगावै । देवीभवानीदुर्गाश्यामाअम्बावैत्राहित्राहि चरणमनलावै । पिनाकधररचनापति सकलदेवटेरैसबबरपावै । क्षितिभजोभ्रमतजिसेवै अंन्तबेरबालाको ध्यावै ८५ पंचमख्यालतिलवाड़ा ॥ धनिहेगिरजेतूतारीयहक्षितिपालउधारो । महापुंजपातकछैकीन्हो जयतिजयतियशदेबितिहारो ८६ ॥ रागमध्यमादिख्यालकत्तारखानी ॥ ध्यावैरेगिरिजाकोशरणतरणकोहरिबिरञ्चियशगाई । सकलआशक्षितिपालत्यागिदे भ

जोचित्तसुधिलाई ८७॥ रागअहेरीख्यानतालतिलवाड़ा॥ घनिजनवै जोध्यावैंमहरानी।भुवनतीनिबेदनकरि मानी। अन्यदेवक्षितिपालआशतजु ध्यानकरोतु भवानी८८॥ देशकारधुपदझपताला ॥बिश्वनाथतुमकहँ अबटेरी। हरोमोहमदकरुमतदेरी। एकबेरजोना मकहताशिवतुरतआपुकाटतयमबेरी। तंत्रबिपय विधिमोहिंबतावहुगौरिचरणकीबुद्धिदेमेरी।पार करोक्षितिपालशम्भुसुतु दासदयालुशरणअबते री ८९ ॥ होरीधमारि ॥ खेलतजुरिदोऊमिलिहोरी। ललनसंगवृषभानुकिशोरी। सखीसखाघुसिभि रतजोरसोंराधाकुंवरिहँसतमुखमोरी। चन्द्रकला बलभद्रगह्योतब बिहँसिखड़ेयुगुलवहजोरी। भ क्तिमातुक्षितिपालकृष्णकरु दीनबन्धुअबकरुम तिदेरी ९० ॥ रागसिंधुहोरीतालधमारि ॥ आजुदोउखे लतहोरी। कृष्णललीजूउड़तरंगअरुरोरी। एक एकक्षितिपाललपटिहँसिअतिहुलासकरजोरी । ९१॥ रागरामकलीतालतिलवारा ॥ दबिदयालुदासदा रिदहरु केशवकृष्णकारणकरुनासरु। पापपुंज पाखण्डपेषिदरुक्षमाछोड़क्षितिपालछांहकरु९२ देवकलीरागहोरीतालधमारि॥ अबनहिंजावोरीनंदगांव

कोक्कुरुतनंदकिशोरजू। रोरिमलतकेसरिरँगछिड़ कतदेखिमगनक्षितिपालजू ६३ ॥ रागभठियारख्याल तालयकताला ॥ अस्बेसुनिदानीभूलिगईसकलजीव तुवभार। बिमुखनहींक्षितिपालहिकीजैतरोसिन्धु भवधार ६४ ॥ रागभखारख्यालतालवाड़ा ॥ प्यारेहरिलीन्हामोरजियरारे दिननहिंचैननींदनहिंआवैतल फितलफिउठैमोरहियरारे ६५ ॥ रागखंभावतीख्याल तालतिलवाड़ा ॥ दरशमहरानिजूदीजेतुवक्षितिपाल अधार।भवदुर्गमकोपारअपारहैतोकायहभार ६६ रागककुभवेलावलध्रुपदतालचौताला ॥ आजुराधिकादुलारिबाटगहीयमुनओरबिहरतलखिगोलबीचमधुर बयनबोलै। रतिस्वरूपसकलनारिशोभाशशिमलिनहोतकोटिकामवांरिहोतनिरखिचलनिडोलै लखतहँसतयुवतिओरकंदुककरकमललाल उझकिझुकतचलतप्यारितिरछित्परतोलै। बिनवैक्षितिपालबालदीजैशुभचरणमातुशरणशरणरटत तोहिंनयननलिनखोलै ६७॥ रागककुभवेलावलख्यालतालझूमरा ॥ भजोरेजगतमातुकरोजपयोगसुनुक्षितिपालपगशिरनाव। करिव्रतध्यानस्वच्छतनकीजैदेविचरणयशगाव ६८॥ ख्यालतालझूमरा ॥ सुनो

6580.

जूमहाराानिचरणादरशदे बिनयकरतक्षितिपाल। बहुसमूहदासनतूतारेमेटुबेगिडरकाल ९९॥ व्याल ककुभभूमरा बिलावल॥ ध्यानकरोजगदम्बकोत्रिबिधि दुःखमिटिजावैं। करोचेतक्षितिपालचरणलगिती निदेवनितिगावैं १००॥ रागबंगालख्यालतिलवाड़ा॥ चरणमहारानीगावोरे भवसमुद्रतारेजावोरे। मो हतिमिरक्षितिपालत्यागितू शरणवहीमनलावोरे १०१॥ रागजाजवेलावलध्रुपदझपताला॥ बसोमयनगि- रिजापुरत्राशकुटेडरेतोहियमराज। हेक्षितिपाल निकटधामहैं नष्टजगतकोकाज १०२॥ अलैयाबेलाबल ध्रुपदतालजल्दतिताला॥ महाराजरामचन्द्रसनकादि कप्रणतपादसूर्य्यचन्द्र गीतसुयशदासनउपका री। पीतबसनमुकुटचारुमणिमयसर्वांगभूष चम रक्षत्रअतिबिचित्रअद्भुतछबिभारी। शंखचक्रगदा पद्मसुभगतूणपरशुबर्म्म खड्गचर्म्मअतिकराल बाणधनुषधारी। सूर्य्यबंशकहतलोगबूझितहैसुना नाथबिनतीक्षितिपालबालभवसमुद्रतारी १०३ देवगिरीबिलावलख्यालतालतिलवाड़ा॥ भजनमहामायको चेतोरेयहभवपारअपार। सुनुक्षितिपालध्यानकरु बेगिहिस्वांगजगतकोउतार १०४॥ रागलाजवन्ता

तालचौताला ॥ रहसखीचप्यारी युतनाचतगिरिधा
री । गोपीपतिश्यामबीचशोभाअद्भुतस्वरूप
लटकिलटकिगानकरत मोहतब्रजनारी । बर्ष
तहैंसुमनवृष्टिब्रह्मादिकदेवआइ धन्यधन्यशब्द
होतबिहसतबनवारी । चरणकमलशीशनाय
बिनतीक्षितिपालदास देहुदेविचरणशरणत्रिभु
वनउपकारी १०५ ॥ रागलाचारीतालतिलवाड़ा ॥ मो
हनजियमोरबशकीन्हीरे । सुनुआलीअबवेगिदे
खावो जादूसीपढ़िदीन्हीरे १०६ ॥ रागबिलासखानी
टोड़ीध्रुपदझपताला ॥ जबैश्रीकालिकागहैतूशूलको
असुरदलडरतजनुकालधायो । महिषअरुचण्ड
मुण्डादिखल शुम्भजोक्षणकमेंनष्टनहिंबारला
यो । सुरनकोशरणतू मुक्तिकीकरणतू दुष्टकीह
रणियहवेदगायो । सुनोजगदम्बिकाभुवनत्रयअ
म्बिका अज्ञक्षितिपालतूशरणआयो १०७ ॥ राग
भैरवबहारख्यालतालतिलवाड़ा ॥ भजोबिन्ध्यबासिनि
मैया चेतकरोआदिब्रह्मक्षितिपाल । सकलरूप
व्यापितजानोतू त्यागिबेगिभ्रमजाल १०८
रागपंचमबहारध्रुपदतालचौताला ॥ रक्षमातुचण्डिकादया
लुतोहिंवेदकहैंइन्द्रबिष्णुचरणसेइ मुक्तिबिदित

दानी। शुम्भदैत्यअतिप्रचण्ड जीत्योज्योंसुरनभी
र तुप्रतापनष्टभयो महादुष्टमानी। महिषासुर
अतिकराल सुरपुरजोजीतिलियो तुहीअम्बहत्यो
ताहि शूलहृदयहानी। त्राहित्राहिमहारानि कीजै
क्षितिपालपार शरणलानतोहिंदेवि दास अज्ञ
जानी १०९ ॥ रागककुभवहारख्याल तालआड़ातितालां ॥
चरणश्रीजालिपाध्यावोरे करिसमाधितरिजावे।
भूलत्यागिक्षितिपालहृदयते वृथास्वांगमनलावै
११०॥ अलैयाककुभरवगोततालधुपद ॥ चन्द्रमुखीगृह
गयोदुलारेरच्योछन्दछलनन्दपियारे। कुशल
प्रियाकीमोहिंसुनावोचलेकहातुमआजुसकारे।
कराठलगायललालमुखचूमै प्रीतिबाणतबधसेहमा
रे। बचनकान्हसांचीभक्तिनीकी चरणधरोक्षिति
पालतिहारे१११॥ अलैयाककुभब्रह्मता धुपद ॥ आजु
कान्हचलनसुन्यो ब्याकुलब्रजनारी। आहिबोलि
फिरैंबामतनमेंकछुहोशनाहिं निकरुप्राणसुनोद
ईहमपरदुखभारी। श्यामआयलायप्यार बच
नकरआपु तुमहिंछोड़िजाउँनाहिंसबपरतूप्या
री। अम्बध्यानदेहुमोहिंबिनवैक्षितिपालतोहिं
मोहिंसिन्धुपारकरत गिरिवरनखधारी ११२

लहोरीभैरवीहोरीतालधमारि ॥ बजतडफबेण कुंजनमें देखोरीअरुअबीरनभछाई। काशमीरपिचकनभरि मारत मधुरसुरनमिलिगाई ११३ ॥ रागदेवगिरी अलैया घुपदतालआड़ा चौताला ॥ सुनुयशुमतिलालाकी चोरी । दधिकोभांड़ लकुटसोंफोरी । सुनतमाइ बाँधनकोधाई लवलासीमारनकोतोरी । झूठी बचनलगावतमाई मोघरदूधदहीकीथोरी । महा रानिक्षितिपालध्यानदेहेराधापतिसुनियेमोरी । ११४ ॥ ख्यालतिलवाड़ा ॥ टेरीहरिबंशीकोतनमन मोहीकलनपरतसुनुसखिया । नागिनिकोबिष सोंसबभीजै क्षितिपालबिकलहृदयदिनरतिया । ११५॥ रागललितागौरितालतिलवाड़ाख्याल ॥ मैयाबाला जूचरणदरशदे वेदकहतउपकारी । बिनयबेगि क्षितिपालमातुसुनु दासतरणकोपारी ११६ रागलालवनघ्रुपदतालचौताला ॥बक्रतुयडमहाकाय कोटि सूर्य्यसमप्रकाश अरुणबरणचरणचारु बिघ्ननाश कारी । लालजटितमौलिमाल शोभितशशिबाल भालबुद्धिकरणदुःखहरण बिश्वतूउधारी । ऋद्धि सिद्धिबेगिदेत भूलेहुजोनामलेत तेरेसमकवनदे व तारतभवभारी । शरणशरणरटतनाथ बिनती

क्षितिपालबालभक्तिएक बेगिदेहुमातुजूतुम्हारी।
११७॥ मध्याह्नोत्तरश्रीरागरागिनी भेदरागदेशाख्यताललक्ष्मी
ध्रुपद॥ चरिड्ध्यानशठकरोमूलहित। विषयफांस
मेंभ्रमतमूढ़नित। मित्रलोककोउसंगनजैहैअरेअंध
तूलावचरणचित। वेदकहतअम्बेजगतारनि बँधे
मोहमेंफिरहिंजितहितित। उमाचरणशरणहि
नितजावोत्यागिसकलभ्रमतीनिलोकवित ११८
रागदेशाख्यध्रुपदलक्ष्मीताल॥ अम्बध्यानकरु त्यागुसक
ल मन। यहीकाजतूमिलेवमनुजतन। शंकरवि
ष्णु ब्रह्मकहिपूजत नामदेविकररटतदेवगन। अरे
मूढ़तूबेगिचेतकरु नष्टजगतकोमानुयहीछन। वेद
बाक्यक्षितिपालपुकारत शक्तिशरणयेवहीधन्यज
न११६॥रागदेशाख्यख्यालतालकत्तारखानी॥हेमनमंदस्वप्न
मेंभूले अम्बसेइदेवनगतिलेवै। रुद्रब्रह्मक्षितिपा
ल नामलैत्रिभुवनकोफलदेवै१२०॥ ध्रुपदझपताला॥
जयतिजयजालिपा धन्यश्रीकालिका देवतूपा
लिकाअसुरहानी। जगतकीकरनितू सकलज
नभरनितू अन्तमेंहरतितू श्रुतिनमानी। आदिस
र्वज्ञतू ज्ञानपथविज्ञतू योगजपयज्ञतू वेदबानी।
विनयक्षितिपाल मेटुभयकालकी दलनिअघजा

लकीबिदितदानी १२१ ॥ रागगांधारख्यालतालकत्तार
खानी ॥ भवँराभलभावैं गूंजैंडारनडारन सुरराग। बागबीचकोइलमनमोहैं मधुरमधुरप्रियराग। मा यचरणक्षितिपालबिनययहदिनदिनचढ़ैअनुराग। १२२ ॥ रागताल यथा ५ ॥ पपिहरामतिकूंजैंबोलैं बियरेपियातनजारि। तूबियोगहियराममतलफै तपै कामदहतजिमारि १२३ ॥ रागलच्छा माल ध्रुपद
त्यत्रताल ॥ बटुकनाथभूतनाथदण्डपाणिक्षेत्रपाल कालशमन खड्गपाणिदेवबिघ्नहारी। तीनिनेत्र चन्द्रभालकुण्डलयुग श्रवणभूप अंगदभुजसुभग चारुअङ्ग तकछबिभारी। नरकपालदण्डहाथभूषण बिभूतिअंगयुक्त केशसर्पमाल दुरितनाशकारी। सुनोनाथअज्ञजानि बिनतीक्षितिपालबाल ध्या नएकमहारानि शरणरक्षधारी १२४ ॥ रागसुघराई
ख्यालकत्तवाला तिताल ॥ चितधारेपूजोतुमबालामहरा नी। काममोक्षजीवनकोदानी। हेक्षितिपालतूभ जुअनन्यङ्कौ शास्त्रवेदपरब्रह्मबखानी १२५
रागसुघराईख्यालकत्तारखानीताल ॥ कांधरटेरिरेमनकोब शिकीन्हींछयलवा। सखिरीलैपायनकोदरश पि यरवा। तिरछीभौंहकीगांसीगड़ीहै बोलप्यारी

चतुराईकैंसेअचे मनकीतपनिजुड़ाई भेंटत कुवँर
वा १२६ ॥ रागसुघराईख्यालकत्तास्वानी ॥ सुनुमन
गावो यशकालीबरदानी । चरणसेइ गुरुमुनिभे
ज्ञानी । भजुक्षितिपालतूत्यागीमोहकोयहप्रती
तिश्रुतिशास्त्रबखानी १२७॥ रागहिंडालधुपदचौताला॥
जयति जालिपाभवानि त्रिपुरागौरीवामा जगत
रानिमहाकालि अम्बजूबिशाला। मातंगीलक्ष्मी
श्रीदेवीदुर्गाहिमवानपुत्रि देवजननिब्रह्मआदि
ज्वालमुखीबाला। दैत्यदलेवखलनहनेवसुरपति
कोशरणराखि ब्रह्मबिष्णुसूर्य्यआदि ध्यानतू त्रि
काला । चरणआशहै अलम्बसेवकक्षित्तिपाल
बालराखुलाजअज्ञ जानिरटतनाममाला १२८
ख्यालहिंडोनतालतिलवाड़ा ॥ यमुनातटप्यारी गहि
गिरधारी। मगनदेखिमागेक्षित्तिपाल श्यामदेवि
चरणदेहुतुरत देवनउपकारी १२६ ॥ रागमधुम
धवधुपदतालचौताला ॥ महारानिमहाकालि गौरी
श्रीकाशिरानिशंभुरानिजगतरानिअम्बजूभवानी।
पार्बतीधूमावतीत्रिपुराज्वाला देविबिन्धेश्वरीसि
द्धेश्वरिशारदामृड़ानी ईश्वरीमहेश्वरीदुर्गातारा
जुमातुचण्डिकाप्रचण्डिकाशक्तिबाकबानी। हेकृ

पालुदरशदेहुबिनती क्षितिपालबालइन्द्रबिष्णु ब्रह्मआदितुवप्रतापमानी १३० ॥ रागसारंगख्याल कत्तारखानीताल ॥ यमुनातटप्रियाहनायरी । औचक आयफासिमुरलीसोंगाइरी । चिकुहाथसरितात नदेखेमनबिकासबसुरी सरिलीतांश्यामबरणासों हितमुखबामाइरी । गिरिवरधरगोपालगोपपति होकृपालक्षितिपालबालपै कमलचरणगौरीधरा साहैपाइँरी १३१ ॥ रागसारंगख्यालकत्तारखानीताल ॥ बन्शीबटश्यामलआयेरी सुनततानभारिहरपानी धाइरी । रसिकश्यामउरमेंभरिलीन्होंअधरपान दोउप्रीतिकरेरी जागिभागितकुंवरिसिलोनीपा इरी । त्रिभुवनपतिबिनतीसुनिलीजैयहपुकारक्षि तिपालबालकी मातुनामचरणआशाहैगाइरी । १३२ ॥ रागसामंतख्यालकत्तारखानीताल ॥ चलुसखीरी देखावोलालाबनमेंडोलै रितुआयोमेंटुतपनतू सकलमधुपआनँदबरसावै । चातृकबोलैहैपव नसुहावैप्रीतमपाइरिझावै १३३ ॥ रागसामंतख्याल कत्तारखानीताल ॥ बलिहारिहारिहेसुनियेधरिमुख बसियाटेरदेनन्ददुलारेयशुदाबारे । बिकलना रिक्षितिपालश्यामतेमनकीताप जतावैदईफूंकिअ

धरामुरलीसोंसुधाबुंदपियधारे १३४ ॥ रागवृन्दाबनीहोरीधमार ॥ लालभलीकनितिहारीकरहिमरोरतरसबशकैसेकहावै । बचनरीतिप्यारीतुवबोलतधनिधनिनयनबनावै । रंगभीजिकामरिअतिनीकीफिरिलैरोरिउड़ावै । ज्ञानदेहुक्षितिपालश्यामजूध्यानमाइचितलावै १३५ ॥ रागवृन्दबनीख्याल कत्तारखानीताल ॥ अरेशठमैयाकोध्यावेगावेतरनाचाहोतोभ्रमतजोऔरतजोजगलोग । वाकीमहिमावेदबखानैक्षितिपालभजोकरियोग १३६ ख्यालवृन्दाबनीतिलवाड़ा ॥ अरेशठजपोतुममाईकेचरणको । हरिहरब्रह्मध्यानवाहीकोगणपतिआदिरटैवाशरणको १३७ ॥ रागवृन्दाबनीबड़ाताल ॥ कृष्णकन्हैयाकरताकंजनयनकंसारी । श्रीधरश्रीकरसरसानंदसरशारँगधरशरधारी । दीनानाथदयालदयानिधिदीनदीर्घदलिदारी । क्षितिनाथक्षितिधारककारकक्षितिनायकछलहारी ।(यहध्रुपदमेंओठनहींछुइजात)१३८ ॥ रागबड़हंसध्रुपदरूपकताल ॥ जगतिकीजननितूभक्तजनभरनितूयोगजपशरणतूधन्यमाई । शूलबरधरनितूदेवसुखकरनितूमोरतमतरनितूभ्रांतिदाई । दैत्यदलदलनि

तूबिश्वखलघलनितूज्ञानकीथलनितूवेदगाई ।
अभयवरपरनितशोकदुखहरनितूबालक्षितिपाल
तूशरणलाई १३९ ॥ रागगौरमारंगख्यालतालतिलवाड़ा॥
भजियेरीअम्बेचरणनकोभवजगदुखतरननको ।
भूलत्यागुक्षितिपालचेतधरु आशकरुतुवशरणन
को १४० ॥ रागधनाश्रीख्यालकत्तारखानीताल ॥ देखनि
नन्दलालकीमोहोरी निशिनकटतसुनुसखिया।
लखिक्षितिपालप्यारिमोहितमन प्रकटभयोबन
माली उरकीतापमेटिगरलावै प्रीतिउदयरसब
तिया १४१ ॥ रागधनाश्रीहोरीधमारि ॥ सखिसुमाज
नवलासँगमोहनहोलीधूमभई । लैअबीरझझको
रिदोऊमिलिराधहिछीनिलई। घाइनारियदुप
तिगहिलीन्हों श्यामलछोड़िदई । परतरंगअति
जोरमेवज्यों मथुराअरुणमई । फेंकतसुमनदेवऊ
परते धनितूफागुनई । कृपाकोरक्षितिपालतुर
तकरु चरणीगानठई १४२ ॥ रागजयतश्रीख्यालता
लतिलवाड़ा ॥ चरणभजोबालाकोमनबचकर्मतेरि
द्धिसिद्धिसेतूभरोगे। करोध्यानक्षितिपालबेगिही
भवसमुद्रतूतरोगे१४३॥दिनतीपूरियाख्यालयकताला॥
मनतूध्यावैरे बालाकेचरणको । छोड़भूलअब

अन्यशरणको। हेक्षितिपालत्यागुजड़ताकोजोतू
चहौरेभवकेतरणको १४४॥ रागमुल्तानीख्यालकव्वालखा
नाताल॥ कूकतबनमोरवासखीरीविनुकांधातनम
नअधिकदुखातमिलै कबधरिशरमारनलगेमयन
जियनबचतसुनुबतिया। करहुउपायसदनफिरि
देखेंप्यारेघनमनवारोयहक्षितिपालदरशमिलैंदि
नरतिया १४५ रटनलागेपपीहाबिरवाकीछांह
येक्षितिपालनसुहातलालबिनभरिभरिअवनलगे
बैननिशिनबिततयहगतिया। सुनहुसयानिदुखि
तबोलनिलगि हरेहरेचूरभयोतनहियवाबिहबल
प्यारीभयमतिया १४६॥ रागमालतीश्रीतालतिलवा
ड़ा॥ गणपतिबिघ्नदूरिअबकीजे।दासबिनयतुरत
हिसुनिलीजै। तुवपूजाआशायहमेरीत्रिभुवनमा
तुचरणउरभीजै। अबभजनक्षितिपालतृषाहैसु
नियेनाथबेगियहदीजै १४७॥ रागमालश्रीख्यालताल
तिलवाड़ा॥ धरोरेध्यानबालाजगतरानिवाबेगिचेत
क्षितिपाल। यमकीत्रासमहोनाजैहैतातेसेवत्रिका
ल १४८॥ रागभीमपलासीहोरीधमार॥ सुघरसखि
गावनलागीरीकहिलालनकोनाम। करडफब-
जतचपलगतिथिरकैभरिरंगपिचकारीबाम १४९

रागभीमपलासीख्यालतालझूमरा ॥ गावतमंगलआईरी ब्रजबनितालैथार। रतनजड़ितदीपावलिशोभित करिक्षितिपालजुहार १५० ॥ रागपूर्बीहोलीतालझूमरा ॥ प्रीतियुतखेलरहेहैंनवलराधिकाब्रजदूलह तहँआये। चमकिनारिदामिनिसीआईअबिरश्याम गहिलाये। लखिधमारिछबिधन्यधन्यकहिकामदे वसकुचाये। देबिचरणक्षितिपालध्याानदेसुनयशु मतिकजाये १५१ ॥ रागपूर्बीधुपदतालवाड़ा ॥ श्यामफँ सेकुब्जासँगहेरी।आवतनहिंगिरिधरगोकुलबिच भूलिगईसुधिवहसबतेरी। लाजहृदयनहिंउपजै लालनकंसरायकीहैवहचेरी। सतीचरणक्षितिपा लमिलैंमोहिंबिनयसुनोराधेयहमेरी १५२ ॥ रागमालवाख्यालतालतिलवाड़ा ॥ चलनसुनीश्यामकोभरि भरिआयोकण्ठ याक्षितिपालकलनपरैसखिरति या। मनसिजदहतइन्दुजारततनसुनुअबरैनिकट तनहिंसुधिकरिकसकतछतिया १५३ ॥ रागमाली गौरतालतिलवाड़ा ॥ भजोक्योंनहींरेजगतराजिचरण कोफिरितहिंअवसरपाय। शरणवहीक्षितिपाल मूलहैतेसेनिरंतरयशगाय १५४ ॥ रागगौरीधुपदता लचौताला ॥ जयतिशंभुचक्रपाणिशंकरगिरिरमण

शिवबिश्वनाथजगन्नाथहरिहरबनवारी । कृष्ण
चन्द्रचन्द्रशेखरगरुड़ध्वजवृषभध्वज गङ्गाधरल
क्ष्मीधरपशुपतिगिरिधारी । बामदेवकेशवदेवक
मलापतिगौरीपति सीतानाथकाशिनाथसकलदु
रितहारी । ईश्वरपरमेश्वरतूमुनियेक्षितिपालबि
नयजगतशरनिचरणभक्तिदीजैउपकारी १५५ ॥
रागश्रीध्रुपदचौताला ॥ गौरीभवपार्बतीशंकरशिवाशंभु
नाथजगतमातुबामदेवअम्बशिवभवानी । काशि
रानिबिश्वनाथमाईश्रीनीलकण्ठमहामाइशूलपा-
णित्रिभुवनकीरानी । महाकालिमहाकालदुर्गाबा
बैजनाथअष्टभुजामहादेवजालिपाबिज्ञानी ।पाहि
पाहिशरणबेगि कीजैक्षितिपालपारहूवैदयालुदे
हुभक्तिजयतिहरमृड़ानी १५६ ॥ रागचिवनध्रुपदचौ
ताला ॥ क्योंबिनतीसुनतीनहिंमाई । दासकहायक
वनढिगजाई । ब्रह्मरुद्रसेवैंपगतेरोहेभवानिकोटि
नगतिपाई । करिसतसंगशास्त्रअवलोक्योंअंत
बेरबालासुखदाई । क्यौंदयालुक्षितिपालटेरसुनु
मौनधारिकैसेबिसराई १५७ रागआसावरीध्रुपदताल
चौताला ॥ अम्बिकाप्रचण्डिकाभवानिदेविजालिपा
ईश्वरीमहेश्वरीबिन्ध्यशिखरबासिनी । सुनिपुका

रवेगिमातुबिनतीक्षितिपालबाल चरणादरशदेहु मोहिंमहिषदैत्यनाशिनी १५८ ॥ रागगौरीहोरीताल धमारि ॥धन्यब्रजभूमिसखीरी। धन्यराधिकामदन गोपालकीजोरी । जोकरतेप्रहलादउबार्योसोह रिआजुफेंकतरँगझोरी । सुरपतिकोजोशरणदेतहैं सोइभाजतदेखतब्रजगोरी । रावणबालिहत्योक्षि तिपालजोसोगोपिनमुखमेलतरोरी १५६ ॥ राग काफीहोरीतालधमारि ॥ सजिदुलारिमोहनपैआई ।स खिनसाथलैलैबरसाई । उतलालनरँगकोपिचका भरिलपटियुवतिअन्हवाई । दोऊटोलिअतिमगन भिरेधसिरटतफागुसुखपाई । बिनयसुनोक्षिति पालराधिकेचरणभक्तिदेमाई १६० ॥ रागशाखध्रुप दचौताला ॥ आजुश्याममगनकियोयमुनातटखेल हेलसबनभीरसुरभियूथअद्भुतछबिछाई । मोरमु- कुटपीतबसनलकुटीकरबेणुचारुयहस्वरूपकामदे वशोभानहिंपाई । गगनबीचदेवतारिमोहितमन मदनबद्धपेपबोलिश्वासभरेचारिजीवजाई । सुनो बेगिकृष्णचन्द्रबिनती क्षितिपालबालभक्तिदेहुज गतरानिचरणशरणआई १६१ ॥ रागभत्रसायध्रुपद ताला ॥ तजोरेभवफांसकोमिथ्यामोहहैसाथको

ऊनहिंजावैं।क्कैंअनन्यक्षितिपालध्यानकरुअम्बसु
यशकोगावैं १६२ ॥ रागमियाकीसारंगरागजंगलातालचौ
ताला ॥ श्वेतबदनश्वेतकेशमस्तकबिचश्वेतचन्द्र
जटामध्यश्वेतगंगश्वेतभस्मश्वेतसर्प शंकरसु
खदाई । माल्यश्वेतसूत्रश्वेतधनुवांअरुपरशु
श्वेतचर्म्मश्वेतशृङ्गश्वेतअद्भुतछबिछाई । श्वेत
डमरुश्वेतसदन बाहनध्वजश्वेतबारु दीप्तिश्वेत
चारिवेदगाई। रक्षरक्षबिश्वनाथबिनतीक्षितिपाल
बालबिमलबुद्धिदेहुमोहिंध्यानचरणमाई १६३
रागपीलूहोरीधमारि ॥ आजुफागुखेलननँदनन्दनबर
सानेकोबेगिचलो । तियसमूहऊपररँगबरसतगा
वतगीतभलो । ललितादौरिश्यामगहिलीन्होंपू
छतलालचोलो । बलदाऊमोहननहिंदेख्योकटि
सँभारितेहिबीचहलो । छोड़तनहिंब्रजपतिकोब-
नितारवैंचिचीरतबआपमलो । ध्यानअम्बक्षितिपा
लप्यासहैत्राहिकृष्णअबचरणघलो १६४ ॥राग
ध्रुवदचौताला ॥ अरुणबदनअरुणबसनअरुणमुकुट
दीप्तिअरुण गदाअरुणपरशुअरुणगणपतिपूज
ताता । नेत्रअरुणभालअरुणशोभितअतिशुण्डअ
रुणभूषणसर्बांगअरुणबिमलफलबिधाता । अरु

णमालअरुणपीठअरुणसदनध्वजाअरुणछत्रचम रअरुणचारुचरणअरुणदाता । दीपअरुणपात्र अरुणबाहनरमणीयअरुण त्रिनवैक्षितिपालबाल भक्तिएकदेहुनाथषणमुखपोभाता १६५॥ रागवरवा धुरपदतालचौताल ॥ बायुपुत्रघरियेकृपाणाकरश्रीतमा गउन्नतदीजैबर । तुवसमुद्रपलमेंकूदयोजुलंकना शकीन्होंकरुणासर । पुरअधिपतिरघुपतितुवकी न्योंपवनयूथहरियेबेगिहिडर । राखुलाजरविच न्द्रबंशकीदेहुचित्तक्षितिपालगिनयपर १६६ ॥ रागबिहारीधुरपदतालचौताल ॥ जयतिशीतलाभवानिज गतजननिशोकहरनिअर्थधर्मकाममोक्षवेदबिदित दानी। ब्रह्मबिष्णुरुद्रइन्द्रसहसाननसकलदेवलो कपालदण्डपाणिध्यानतूभवानी। अधमजीवनष्ट जीवपापीअरुबधिरगुंग ज्ञानीमूरखतूबासश्रीका शिरानी। शरणशरणरटनतोहिंसुनियेक्षितिपाल बिनयचरणध्यानदेहुदेविदासअपनजानी१६७॥ रागगोधनगौरीहोरीतालधमारि ॥लखिधमारिप्यारोप्या रीयुतमोहितसकलभयो। बरपतरंगनारिगोकुल कीमानहुंमघनयो। तियभुलाइपहुंचीततकालहि रामहिंघेरिलयो । करिश्रृंगारहलधरकोबनिता

शोभाअधिकठयो। देखिलालछोरनकोधायोबीच
हिपकरगयो। कृष्णाकृष्णाक्षितिपालबिनयपरद
राडीध्यानदयो १६८॥ रागदीपकध्रुपदचौताला॥ जपो
मंगलादयालकोवापारलगावै। याचनाकीकल्प
वृक्षमूढ़तूमनावै। तारणीकोरूपवहसुखधामपावै।
सेवकक्षितिपालतूअन्यनाकहावै १६९॥ जूहीराग
ध्रुपदशूलफाक्ता॥ बिनवतहैअम्बचरणातूदयालुभवा
निदेवीमाईध्यावैतूकोजोतमबेगिनाशै। सुरगावत
कीरतिशुभकरणीत्रितापहरणीवरणीश्रुतिजनदु
खननाशै। बोधअबोधमातुत्रिलोकभरणीपावैजन
भक्तिसंकटनाशै। क्षितिबालकदीजैबानीतूशुभद
लीविचारुभयनाशै १७०॥ रागसंध्योत्तरसअद्धु रात्रत
ककेरागमेघध्रुपदशूलफाक्ता॥ निजमोहडूबतसंसारूरैउ
बरततवजनसुमिरतबाला। कायात्रिविधदुखनाश
होतजातीरहैउपाधिविशाला। जिन्हैंबिनयकरत
लोकसारेयेसीमाईभुवनकृपाला। क्षितिपालवाके
ध्यानमगनकारनमानलोकतीनिनिहाला १७१॥
मेघरागख्यालकव्वालरखानी॥ बालाकोबेगिमनावोरे। यम
भयअधममिटावोरे। भजुक्षितिपालनाममैयाको
भवनिधितरोचरणनैयासोंमित्रमूढ़जगकोतुमत्या

गोशरणवहीमनलावोरे १७२ ॥ रागबहारहोलीताल धमारि ॥ साजिहोरीखेलरचीहैकुंजभवनमेंसंगदुलारिबनमाली। लैगुलालदोऊमिलिफेंकतकेशरिरँगशिरघाली। कामदेवजियअतिसकुचतहैनारिदेतकरताली। तुरतदेहुक्षितिपालश्यामजूध्यानदरशममकाली १७३ ॥ बहारख्यालकत्तारखानी ॥ बगियनबिचबिहरतहरिसखिया मयनलजानेआलीरतिवारीतहूंमान बातमोहनकोचूकनाहिंबेगिचलोलतनफिरतश्याम आइछबिनिरखतमोहीवाप्यारीयुवतीलैआई पासकान्हकोबिलोकैदोऊमेलोबाँहलावैगरझूमिझूमि १७४ कुहुकतचहुंडरियनसुनुपपिहासकलफुलानेप्यारी बलिजाउसजो बेषभेदुबेगिश्यामलकीबातराखुमानतजोचरणधरतमोहनाहिंहरिपरखतबीतीहैरात करुणान आइनारिबातकोभूलावैढारे मोकोवहगावैतुवघूमिघूमि १७५ ॥ रागमेघमलारध्रुपदतालचौताल ॥ महाराजकृष्णचन्द्रचक्रपाणिजगतईश श्रीनिवासवासुदेव विष्णुश्रीबिहारी। गिरिवरधरलक्ष्मीधरवामननरसिंहराम परशुराम जगन्नाथहरिजूदनुजारी। धरणीधरमुरलीधरकेशवगोपा

लशौरिमधुरिपुअरुपद्मनाभमाधवबनवारी। त्रा
हित्राहिसुनोबेगिबिनतीक्षितिपालबाल भक्तिदे
हुमहारानिजयतितूमुरारी १७६ ॥ रागगौरामला
राहोरीधमारि ॥ भागिब्रजसखिनजानिये खेलतहो
रीहरिपगनलागिरे। देहुदासक्षितिपालमुरलि
धर नामदेविकोविनयत्यागिरे १७७॥ ख्यालतिल
वाड़ा ॥पावसआयोमोहनगैलवा तलफोंदादुरदुख
दाईलानीजुरिया। नभबिचबदराधावैरे क्षिति
पाललखिसूनिसेजरिया १७८॥ रागनटमलारीख्याल
कत्तारखानी ॥ सुनुमाईबदराबदराउमड़िआये मन
सिजअधिकदहनलागे। चमकतबिजुरीलरझत
हियमम दादुरशोरकरनलागे १७९॥ रागख्याल
कत्तारखानी ॥ पियबिनमोरवामोरवाबोलनलागे
नभबिचमेहपरनलागे। चहुंदिशिचमकैजियअति
उमँगैउमँगैनदियनजोरबहनलागे १८०॥ राग
मियाकीमलारध्रुपदचौताला ॥ श्रीबालेपूरगातूकीनी। यह
अज्ञानतिमिरहरिलीनी। जोकाशीदेवनकोदुर्लभ
ताबिचआयदासबरदीनी। मानुषकीगणनाका
कीजै अतिचिन्तायमराजहिभीनी। दियोदरश
क्षितिपालबालको पापपुंजशीघ्रहिभेक्षीनी१८१

रागख्यालधीमातिताला ॥ आजुबशकीनोराधाछयलछ बीलको विकलकिरतरटतमुखपीलको। डोलनि हँसनिदशनदमकनिद्युति फँसेकुंवरलटकनिबिच नीलको १८२॥ रागशुद्धमलारख्यालतिलवाड़ा ॥ उम ड़िआयेमेघचहुंदिशि अरुपुकारबनमोर। छबिल खिपावसमुदितक्षितिपालजू धुनिपुकारघनघोर १८३॥ देशीमलारध्रुपदचौताला ॥ लालनकेअंगसों अनंगघटाघूमिआयो दन्तकीछटानिसोईबिज्जुच मकायोहै। कुराडलज्योंमोरराजैबोलमृदुमेघगा जै अलकैंधुरवानबेणुतानझरिलायोहै। मोतिन कोमालबकुजालरह्योघेरिघन इंद्रबधूलालीकरि अधरहूलजायोहै। क्षितिपालशोभाबरसातब्रजबा रिहेत आजुनभआघनश्यामबनिआयोहै १८४॥ रागदासीमलारहोलीतालधमारि ॥ आजब्रजयुवतिजुरीहैं भानुसुतापै उतकिशोरसजिआये। लपटिझपटि यकएककोमेलत लैगुलालअन्हवाये। पकरिश्या मदृषभानुसुताको हृदयबीचप्रियलाये। श्रीबा लाक्षितिपालभक्तिदे चरणशीशप्रभुनाये १८५॥ रागसूरमलारख्यालतालतिलवाड़ा ॥ अरेशठभूलिगयोमह रावीकोभजनकरो। समुझिबूझिक्षितिपालहोश

नहिंभवसमुद्रक्योंतरो १८६ ॥ रागटंकध्रुपदतालते
वाड़ा॥जड़जपुनामश्रीमाई। ध्यावतबेगितरिजाई।
भजुक्षितिपालमनलाई। सुनुत्रिपुरारि गतिपाई
१८७॥ रागसूहाख्यालतालतिलवाड़ा॥ हेमतिमंदअम्ब
नहिंध्यावै।हैतमार्गदेवनकोगावै।ज्योंबौनाक्षिति
पालचहतहै फलखजूरिक्योंपावै १८८ सुनुजड़
चूकतजैनहिं मनतेक्षितिमेंआइवृथातूसोवै। कै अ
नन्यक्षितिपालध्यानकरु महामायचरणनकोजो
वै १८९ रागसूहीध्रुपदतालरूपक॥ लालबरनलालबस
न टीकामुखभाललाल दशनओष्ठलालसुभग ला
लचरणबाला।लालश्रवणजटितभूषबेनीशिरमाँ
गलाल लाललालनयनतीनि कण्ठलालमाला।
कमललालसदनलाल चामरवाछत्रलाल ध्वजा
लालव्यजनलाल सिंहलालशाला। पीठलाल
रागलाल दीपनकोपंक्तिलाल ध्यावैक्षितिपाल
बालसूहिरागताला १९० ॥रागसूहीख्यालकत्तारवानी॥
सुनुगंगामैयाबिनतीकोभानुवंशतुवतारी। बिदि
तवहीक्षितिपालकहावैक्योंतदयाबिसारी१९१
रागषट्मंजरीध्रुपदतालझपताला ॥ भवानीभवानीभवानी
जपोरे हैसर्बव्यापकवाहीभवानी। ध्यावैजोगावै

सोपावैपरमपदहेक्षितिपालतूसेवेभवानी १६२ रागशुद्धकल्याणहोरीधमारि ॥ सुनुसुनुहरिपुकारतो युवतीखेलनआवत तुवसँगकोफागरे। देहुश्याम क्षितिपालयहमांगत दरशमातुकोपरमभागरे। लखुलखुधमारिब्रजपतिकीसखिरी बजतमुरलि डफमधुरतानरे।सजतनारिक्षितिपालटोलमिलि उड़तरंगजनरटतरागरे १६३ ॥ रागशुद्धकल्याणध्रुपदचौताला ॥ मुराडमालरत्नमाल चन्दनशिरभस्मभाल कुराडलशशिसूर्य्यसर्प देवनयुतपूजिपादअति बिचित्रज्ञानरूप शंकरमहरानी। करत्रिशूलशूल पाश डमरूबीनाबिराज अरुणबसनमृगाचर्म्म नीलकराठचन्द्रबदनचारिवेदमानी। पापभंजिशोकगंजितारकजगसुरदयालकोटिनअघदासहरत ऐसोवहदानी। रक्षरक्षबिनयसुनोनाशोयमत्रास मातुभजततोहिंपाणिजोरिबालकक्षितिपालदास जयतिशिवभवानी १६४ ॥ ध्रुपद ॥ हेचराडीदुख खराडीत्रिपुरभैरवीमाईदयालमृड़ानीकृपाकरुश्री भवानी। जयजयशंकरमुरारितुवध्यावैब्रह्मानी शिवासर्वान्तीदयानिधिसुनुदानी १६५ ॥ रागइमन होरीतालधमारि ॥ सुन्दरश्यामलाड़िलीगोरी। आ

जुमचीवृन्दाबनहोरी। दौरिलालरोरीमुखमेलत
राधारंगश्यामतनबोरी। नभऊपरसुरबधूपुकारैं
धनिमोहनधनिनवलकिशोरी। बिनयकरतक्षिति
पालजोरिकररारवुशिवाचरणनमतिमोरी १६६
रागईमनख्यालतालतिलवाड़ा॥ रटोरेशठदेवितरोभवपा
रमतिक्षितिपालचरणबिसार। सुरपतिभजैगण
पतिरटैचतुराननकोअधार १६७ ॥ख्यालकत्तारखानी॥
गावोमैयागुणयशुकोरेबामजगतकोत्यागिदेरेतुर
तमहापदपावो। सुनुक्षितिपालध्यानकरुअम्बा
भूलसकलतुछांड़िदे दिब्यदेहह्वैहँसोकालकोअं
तचरणमिलिजावो १६८॥ रागख्यालकत्तारखानो॥
जगतकरुदाया। अभयकरोपगछाया। हैआशा
क्षितिपालतिहारी। करियकृपामहमाया १६६
रागईमनकल्याणख्यालकत्तारखानो॥ अम्बेचरणनमनला
वोतूरेमोहडगरियाछांड़िदेरेमतिहीनी भटकिभ
टकिफिरिफिरिवहीतूबानी। जड़तातजौदेविपद
मनलागै गावतपावतभवधारपारसुनुक्षितिपाल
भजोतुवअम्बा जोवतठगोजातहैबुधिहानी २००
रागख्यालतालतिलवाड़ा॥ गावोरेयशमाईकेचरणको
भक्तिमुक्तिफलपावै। करुसमाधिक्षितिपालरूप

कोतुरतशरणकोजावै २०१॥ रागश्यामख्यालतालति
लवाड़ा॥ आवनसुनिश्यामकौतिकसितबदनकरि
शृंगारचलींबाला। चहुंदिशिलखैपांतिफूलनकी
प्यारिदरशनँदलाला २०२ रागजैतध्रुपदतालरूपक॥
जयरानिमहारानि काशिरानिगौरीगिरिजाभवा
नी। कालीदेवीशिवादुर्गावागेश्वरीरुद्रानी। भद्रा
नी सिद्धेश्वरीसंकटादानी। चण्डीकमलामहेश्वरी
सीतालक्ष्मीसतीपार्व्वती बिन्ध्येश्वरीवेदनबिच
मानी। करखिमरखिहरखिआपुबिनवोंकेहिदेव
मातुअनुचरक्षितिपालजयतुजयतुशंभुरानी २०३
रागहमीरहोरीधमारि॥ लखुलखुधमारिगिरिधरकी
दुलहीनहककरततुवहठसोंमानरे। करोक्षमाक्षि
तिपाललालजू बेगिदेहुबालाकोध्यानरे २०४
रागख्यालहमीरतालझूमरा॥ पुकारोरेबेगिअम्बासुधि
धारोतरनकोवहजननीतुवछोहरा। भजुक्षितिपाल
सकलभ्रमकूटतनहिंमिलिहैतनकोनोहरा २०५
रागकामोदध्रुपदतालचौताला॥ मनभावनआयेनहिंरति
या। खोजहुबेगिसुनैवहबतिया। मधुरकहिरोक
लईहैकोउबनिताकीहैयहघतिया। रीतियहांकी
भलमैंजानतभूलिगईतबयहभैगतिया। कान्हबि

नयक्षितिपालसुनो तुमशक्तिध्यानकीकरुअबमति
या २०६ ॥ रागभूपालीहोरीधमारि ॥ आजब्रजचन्द्र
लाड़िलीफागुमचीहैकाश्मीररँगबोरी ।इततेसखा
रामधसिआयोउतसखियांचढ़िदौरी । ब्रजसुख
होरिदेखिजियलज्जितरतिमनसिजमुखमोरी।च
रणगौरिक्षितिपाल श्यामदेक्षमियदेविसबखोरी
२०७॥ रागभूपालीझूमरा ॥ भजोरेमातुबालापातकको
भवतरनकीपारी। सुनुक्षितिपाल हेचेतकरुऐनि
शिदिनतूमोहनकोबिसारी २०८ ॥ रागकेदारायकता
लाख्याल ॥ जपोशठगंगापापदलनि जलश्रीमहेश
शिरधारी । अघसमूहक्षितिपालहैकोटिअधमवह
तारी२०६ ॥ रागकेदारहोरीधमारि ॥ प्यारीकरिशृंगा
रषोड़शतूश्याममिलनकोसखिधमारमिलिखेलै।
उड़ैरोरधूंधुरअलिदेखोश्यामलधूरिरँगठेलै। भ्रम
रभीरलतिकालपटानेत्रिबिधिबायुसुखहेलै।भज
नदेविक्षितिपाललालदेचरणशीशतुवमेलै २१०
रागछायाहोरीधमारि ॥ देखुहोरीधूममचीहै धनिवृंदा
बनश्यामलाड़िलीप्यारी । डफमृदंगमुरलीकर
बाजत पूरिदिशामुखगारी। ललितभूमिलतिका
ललितादिक लालनउरबिचधारी। मुदितदेखि

क्षितिपालफागुयह देविचरणतटडारी २११
रागख्यालतालतिलवाड़ा ॥ सुनुमैयाक्षितिपालविनयको
चरणध्यानउरआवै । सकलदेवमहिमाकोगावै ।
मनवांछितफलपावै २१२ ॥ रागनायकीकन्हारख्याल ॥
सुनोदेविजालिपा शोकहरणतूवहक्षितिपालको
उबारी । कमलचरणकेवलहैआशा त्रिदितमातु
उपकारी २१३॥ दरबारीकान्हराख्यालकलारख्याना ॥ चलि
येरीहरिसंगखेलिये कमलनयनकोपेखिये । बाल
चन्द्रमुखदशनबिज्जुद्युतिपगक्षितिपालतूदेखिये
२१४ ॥ रागगौचरनतालरूपक ॥ महाकालिकेघेगिदेहु
बर । जन्मत्रासहरियेकरुणासर । तुहींआदित्रिभु
वनकारणतुमगहिकृपाणमेटोअम्बेडर । चरणआ
शअरुअन्यआशनहिंहेकृपालगहियेपिनाककर ।
लाजराखुक्षितिपालबालकी सर्वव्यापिसर्वज्ञस
र्वपर २१५ ॥ रागबागेश्वरीहोरीधमारि ॥ श्यामाजू
फागुरचीहैभानुसुतापै इतमुरारिसजिआये ।
करअबीरदोऊमुखमेलत लपटिमगनगरलाये ।
बाजतभेरिकरतारढोलसँग नचतनारिसुरगाये ।
चरणगौरिक्षितिपालकृष्णदेपगननाथशिरनाये।
२१६ ॥ रागबागेश्वरीख्यालधीमातिताला ॥ मोरभोरउठ

नुअगोपानजोवैऔरजोवैगायनबकुरारे।मानबात
दोहनकरलायेघरेगुठबनकछुरारे २१७ ॥ रागअ
ड़ानातिलवाड़ा ॥ भजोमाईशीतलादेवी तीनिभुवन
कीरानी । पगनलागुक्षितिपालध्यानकरुमनबां
छितकीदानी २१८ आजुब्रजमंगलगावहिंनंदनँ
दनअवतार । महरमहरिक्षितिपालमगनअति
गोपनचतमिलिद्वार२१६॥अड़ानाहोरीधमारि॥कान्ह
तुमनाहकरारिकरतहौ भोरआइकेलाजहियेकछु
धारो । टेरिनारिमोहनमिलिघेरोअरुणारंगशिर
डारो । मुकुटबेणुमुरलीक्षितिलीन्हींऔरकामरो
कारो । चरणकमलमांगेहेलालानहिंक्षितिपाल
हिटारो २२० ॥ रागसहनाख्यालकत्तारखानी ॥बालादे
वीकालिकाज्वालाकाशिरानी । हेदयालुक्षितिपा
लचरणदेअरुप्रतीतिश्रुतिबानी२२१ ॥रागसाहाना
ख्यालकत्तारखानी॥ देवीचण्डिकामाईबिन्ध्यबाशिनी।
सुनुभवानिक्षितिपालदरशदे बेदबिदितभवनाशि
नी २२२॥रागमुद्रिकाध्रुपदतालधमारि॥ ध्यावोकाशिरा
नीबिदितदानी । भुक्तिमुक्तिदेवेश्रुतिमानी ।मोह
नाशबेगिजानिक्षितिपालजगहैअनित्य त्याग्योमु
निवाज्ञानी २२३॥ रागहुसेनीध्रुपदतालचौताला॥ धन्य

जह्नुजादयालशंकरशिरथिरबिलास पापदलनि मोक्षकरनिज्ञानकोप्रकासी। काकगृद्धश्वानआदि त्यागतननस्वच्छहोत सुरपुरसँगदेवनारि सुपद युतबिलासी। मुक्तिदानतीरबटत चाहैखलअधम होइपरमधामबासहोतनिरखिकालत्रासी। सूर्य्य बंशतरनहेत आईतूधरणिबीच सुनियेक्षितिपाल आश होउबिन्ध्यबासी २२४॥ रागगौरीध्रुपदतालचौताला॥ धन्यचरणधरणिबीच सुरद्विजनरपारन्य हेतु असुरपापध्वंसरूप जयतिश्रीभवानी। कृपा सिन्धुजगतमातु बिनवैक्षितिपालबाल बेदमार्ग बुद्धिदेहु रक्षहेमृडानी २२५॥ रागराधाकान्हराहोरी धमारि॥ आजुमचिरहीधमारिरी नँदनन्दनब्रज रानी। फेंकतरँगडफमुरलिबजावत गावतसबशु भवानी २२६॥ रागझँझौटीध्रुपदतालचौताला॥ श्याम बदनश्याममाल बेणीशिरबेंदिश्याम अंजनअरु भृकुटिश्याम श्यामबसनश्यामा। खड्गश्यामचाप श्याम नरशिरकरपात्रश्याम भूषणकरकांचिश्या म सुभगचरणश्यामा। बाहनसबसंगश्यामकेतु श्याम दीप्तिश्याम मुण्डमालमुकुटश्याम अमित दासिश्यामा। बामदेवश्यामआदि श्याममनुजप

तिनित्य बिनवैं क्षितिपालबाल हरहु कलुषश्यामा २२७॥ रागहेमख्यालतालझूमरा ॥ आवारेजगन्ततूतु रतमिटतडरकाल। अन्यशरणधोख्योनहिंजावो भूलनहीं क्षितिपाल २२८॥ रागखेमटाहोरीधमारि ॥ गावतगौरीहोरीब्रजचंदद्वारपैरंगअबीरचहुंछाई। कहुंडफबजतभेरिमुचँगधुनि घरुमृदंगसुखदाई। मगनहोतदेखतधमारियह हरिराधागरलाई। हेकृपालक्षितिपालदेहुबर बिकटसिन्धुतरिजाई २२९ ॥ रागफूलबरणकान्हरा ॥ अबबेबिनतीसुनिये चरणध्यानदेजपतहोहिं क्षितिपाल। मनबांछित सकलेजगपावतबेगिहनैकठिनभ्रमजाल २३०॥ रागसूहाबहारख्यालतालतिलवाड़ा ॥ हेमनध्यानकरो श्रीबाला। ब्रह्मआदिसेवतहैंत्रिकाला। सुनुक्षितिपालपूजनिशिबासर चरणकमलसुबिशाला। २३१ ॥ रागतिलककामोदख्यालतिलवाड़ा ॥ अरिटेरीबनबीचसँवलियारे। उठिधाईप्यारीअतिब्याकुलफिरिफिरिटेरुबँसुरियारे २३२॥ रागछायानटख्यालतालझूमरा ॥ श्यामाजूतेरेधनिधनिचरणहैंअधमसमूहलखिनसै। पेखुमातुक्षितिपालबिनयकोमाथपगनपैलसै२३३॥ रागबिजयकल्याणतिलवाड़ा॥

भजनमहामायकोकीजै । सकलमोहतजिदीजै । सुनुक्षितिपालतूभ्रमतफिरतक्यों शरणाचरणाको लीजै २३४ ॥ रागगौराध्रुपदचौताला ॥ धन्यधन्यमहाराजअंजनीसुतहनुमन्तराखिलेव सूर्य्यबंशकीर्तिजगतछाई । अतिसमूहजवनयूथ उमड्योजनुराहुरूप तुवप्रतापनाशभयो गृद्धश्वानखाई । मगनहोतध्यानकरतअतिसुखश्रीरामधाम दुन्दुभिगृहसकलबजतधमीदानपाई । चरणशरणहैंअलम्ब सुनियेक्षितिपालबाल आशदरशबेगिमिलैंनाथबिन्ध्याचलमाई २३५ ॥ रातिकीपूरियाध्रुपदतालवाड़ा ॥ श्रीताराकोजियतेगावो । मनबचकर्मध्यानपगलावो आदिब्रह्मत्रिभुवनकारणवहत्यागिअबबेगिमनावो । छलतजिरटोनामनिशिबासरतुरतमहाअनन्यगतिपावो । तजिममताक्षितिपालचेतकरुचरणकमलशरणनकोजावो२३६ ॥ ख्यालएकताला॥ जपोरेमनगंगाजगक्षणभंग। भ्रमितक्योंक्षितिपालनाहक त्यागुअधमप्रसंग२३७॥ ईमनकैमाझध्रुपदरुद्रताला ॥ भजुगिरिजापतिकोतरोतरोतरो।ध्यानसदाजीतिकरोकरोकरो । श्रीबालाजीकोसुनोजपोभजो। हेक्षितिपालभ्रमैतजोतजो

तजो २३८ ॥ रागपहाड़ीझझोटीख्यालचौमात्रिताला ॥ म
नतूभूलारेजपबिनाजगतछना। अम्बभजोक्षिति
पालहैजगसबसपना २३६ मैयातूदयालुदया
अबकीजै। चरणदरशअबदीजै। सुरसमूहसुमि
रतअबवाकोयहक्षितिपालरटैतेरीजै२४०॥ अर्द्ध
रात्रोत्तरप्रातःकालपर्य्यन्तरागदेशख्यालतालतिलवाड़ा ॥ अरेम
नभूलतजोहियते। सुपथधरोजियतेकरोध्यानक्षि
तिपालबिनययुत राखुआशसियते २४१॥ रागन
टध्रुपदतालरूपक॥ हरितबरनहरितबसनहरितमणि
नजटितभूल भालहरितबाहुहरितहरितचरणदु
र्गा। हरितबिन्दुमाथबीचअंगरागहरितलेपचाप
चक्रहरितरंगमोक्षरूपदुर्गा। चमरहरितछत्रहरि
तहरितब्यजन ध्वजाहरितहरितहरितद्वारपीठ
हरितबिघ्नहरितदुर्गा । इन्द्रबिष्णुब्रह्मआदि
ध्यावतहैंपगनलागि सुनियेक्षितिपालआशराखु
शरणदुर्गा २४२॥ रागशुद्धनाटतालरूपकध्रुपद॥ जपौं
कालिकैगहैशूलको। असुरप्राणदेखतबिहीनह्वैं
अतिप्रचण्डजोत्रशैहूलको। पापपुंजज्योंडरैधर्म
कोखलसमूहत्योंभ्रमितनामते। गहोपायक्षिति
पालबेगितुमबचोमोहपथजगतबामते २४३॥

रागदेवनाटब्रह्मताला ॥ भूलतजोक्षितिपालभजोचर
णभवानी। जाकोकृपासुरेशहुचाहैं बिदितबेदश्रु
तिबानी २४४ ॥ रागमधुनाटचौताला ध्रुपद ॥ ध्यान
बीचमिलैमोहिं विन्ध्याचलमाई । देवपूजिशीश
नाइश्राहिमाततुहीआश तुम्हैंत्यागिजाउँनाहिंत्रि
भुवनउपजाई। रक्षरक्षशब्दबोलिदैत्यनाशकरो
देविबिनयसुन्योबेगिआपुप्रकटगौरिआई। बिन
तीक्षितिपालदासआशरहैमहारानि भक्तिचरण
ज्ञानदेहुत्रिभुवनसुखदाई २४५ ॥ रागखंभाइचिहोरी
धमारि ॥ रामलषणरचिसुभगफागरी। तियसमा
जसियसँगजुरिआईं परतरंगचहुँअमितगागरी।
डफकरतालजाइदोऊमिलिबिहँसिगायसबमधुर
रागरी। लैगुलाललक्ष्मणधँसिआयो कनकरूप
धरिलियोनागरी। सीतालपटिलषणतनबोर्यो
छीनिलियोवहसुरुखपागरी । बंशआयक्षिति
पालचरणधरि मिलैअम्बअरुसकलत्यागरी।
२४६ ॥ रागपर्य्यहोरीधमारि ॥ लखुधमारिवृन्दा
बनशोभित कृष्णलाड़िलीरतिमनसिजसरमा
ये। मलिगुलालचूंदरिहरिलीन्होंपकरिप्यारिघर
लाये। तियसमूहब्रजपतिरँगबोरेव श्यामल

भाजतगाये । देविचरणाक्षितिपालबेगिदेसुन
हुमहरिकेजाये २४७॥ रागकलांगड़ाध्रुपदतालचौताला ॥
धन्यधन्यअम्बदेबि सुरपतिहरिशिवगणेशलोक
चक्षुचन्द्रआदि चरणसुयशगाई । महासिंधुधार
पारकीजैक्षितिपालबाल रक्षरक्षजगतरानिचर
णतरणिपाई २४८ ॥ रागबिहागध्रुपदतालचौताला ॥
मैंतोमोहेवतोपैप्यारी कैसीवहचालुरी । रूपवा
नलागेवरूवाहिंहृदयबीचशालुरी । तुम्हैंछलीजा
नोश्यामऐसी बचनबोलुरी । देखलालअधरपर
बेणुनीकीतानुरी । अहोकान्हबोलोअब तेरीबात
समानुरी । कुंजभवनसंगचलो शर्मयहनिवारु
री । आरतक्षितिपाल चरिडचरणमेलिगाउरी
२४९॥ रागशंकराहोरीधमारि॥आजुसखिखेलैंसँगला
ड़िलीरँगपूरीचहुँओरी । चन्द्रकलाललताप्यारी
पैग्वालएकबलदोरी । नभदिशिघटाअबीरअँधि
यारी लजितकामलखिजोरी । महामायक्षिति
पालध्यानदेचिरजीवोतुवहोरी २५० ॥ शंकर
ख्यालतालझूमरा ॥ ध्यानमहरानिकोचितलाय गाय
मुनिजनपाय । यहक्षितिपालपगशिरनाय । हरि
शिवसकलसुरनमिलिटेरत वाहीचरणकृपातरि

जाय २५१ ॥ रागख्यालतालभूमरा ॥ नाममहामाय को तूलीजैकीजैचितशोभनि क्षितिपालपगरस पाय। सुनुदयालुतुरतैंबशिह्वैवै अघमचेतुध्यावो चरणशिरनाय २५२॥ रागसोरठख्यालतालयकताला ॥ सखिबरबशपियमेलतगहिबहियाँ मानतनहिंन हियाँ। कासोंकहोंसुनरीप्रियप्यारीकरजोरि बसनपीतडारतशिरमहियाँ। वहतोबशकरतना रि बोलतअतिमधुरप्यारि अघरारसपानधारि सबतिनकरुलजितजारि साँवलगहियाँ २५३ धनिनटवरबरनीकी तुवमतियादेखीमैंघतियाँ। डगरबगरललितादिकसहजोहीं लपटिकीन्हजो गतियाँ। बलिबलितुवचरणधरों घरिघरिअब सुनैकरों लखिलखि अबतुम्हैंडरों। मिलिमि लिवहयुवतिभरों प्यारीतुवबतियाँ २५४ सुन यमुनातटटेरेववहबँसिया कालीसमडसिया। लटकिलटकिचलतनाहकही प्यारीनगरडारत वहफँसिया। हैतोवहनायकपरकरुणानहिंनिक टतनुक रसबशनहिंचतुरकरै देखसुतुवअबहीं मारतशरगसिया २५५॥ रागध्रुपदचौताला ॥ ध निअम्बपापीममतारी। हियबोलैविग्रहजोधा

री। हृदयशुद्धअधमनकरिदीन्हीं खेलदेखिय
मजियभ्रमभारी। जयजयशब्ददेखिसुरबोलतध
निजनवैजोशरणतुम्हारी। मगनहोतक्षितिपा
लध्यानमें चितिकृहरोयशमातुतिहारी २५६॥
रागजाजवन्तीहोरीधमारि ॥ येनँदलालछैलकोपाइ
मैंतोजियकीतपनिबुझाऊंगी। अंजनलायभाल
रोरीदैकटिकिंकिणिपहिराऊंगी। करकंकणचूंदरी
ओढ़ायकेभामिनिरूपबनाऊंगी। दैकरतालनचा
इलालकोतबब्रजनारिकहाऊंगी। यहचरित्रक्षि
तिपालदेखिकैचरणकमलउरलाऊंगी। मगनक
रोराधाकिशोरिकोयशुमतिचरणधराऊंगी२५७॥
रागसेंदूराहोरीतालधमारि ॥ आजुब्रजमण्डलशोभितनं
दछैयलसोश्रीवृषभानललीकेसंग। खेलतफागप
रस्परदोउमिलिउमगतप्रेमउमंग। चलतझकोररं
गकेशरिकोलखिनहिंपरतपतंग। लैलैग्वालरंग
मेंमेलतगावततानतरंग।दैदैतालगोपगोपीजनना
चतपरमसुभंग। बाजतबीणसितारढोलडफताल
मधुरमिरदंग।अरुणभईयमुनाअबीरतेबरसेचहुंदि
शिरंग।देखिमुदितक्षितिपालप्रीतियुतछबिलखि
लजितअनंग २५८ श्यामघनिरोतितिहारीलाज

नआवेवरबशकरहिमरोरी । पकरितोहिंभामिनि
करिसाजोंसपथकांधमलोरोरी २५६ ॥ रागमालकौ
सहोरीधमारि॥ नंदललावृषभानललीजीफागुनबीच
रचीशुभहोरी । मोरपखाशिरमुकुटबिराजतसारी
नीलबनीयहजोरी । ध्यानकरतचतुराननगावत
अतिबिचित्रयहयुगलबनोरी । चढ़िबिमानसुरग
णजबआयेरूयालदेखिसबचकितभयोरी । मुक्ति
हेतुक्षितिपालकहतयहबिनय सुनेत्रिभुवनप्रभु
मोरी २६० ॥ रागमालकौसख्यालतालतिलवाड़ा ॥ मैया
सुनुमेरीअबशरणआयेकीयहक्षितिपालतिहारो ।
दासबहुततुमतारीअंबेमम आशायहचरणसहारो
२६१॥ रागसोहनीध्रुपदगणेताल ॥ चलोछबिदेखैंरसि
कनंदलालकी । टेरनमुरलिलटकवहचालकी । ब
सनपीतकरलकुटबिराजत प्रकटचंद्रबर्णतवहभा
लकी । चरणगौरिक्षितिपालदेखावहुहरहुमोहज
गभ्रमवहजालकी २६२ ॥ रागसोहनीध्रुपदचौताल ॥
बलिमैंजाउँसुभगबनवारीपै वाकेनयनचलतछ
बिसारीपै । मुकुटचारुमुरलीमुखराजितभौंहैंफरक
बदनद्युतिकारीपै ममसैंरचितखचितबनमालाम
नमोरेंबिहसनिद्युतिप्यारीपै । शरणशान्तिक्षिति

पालदेहुहरिफिरतबालअपनीमनुहारीपै२६३ ॥
रागदेवन्तप्रबंधतालयाचा ॥ प्रभुविश्वउत्पतिकारणबु
धिगतेहेहेजयजयकृपाभवपाला शंकरदुरितनाश
नजगतजनरंजनाईश्वरमहेशगिरीशा । गंगाधरे
जनसरनेशूलधरनजगमदहरनसरिधरभुजंगधर
भूतिसोभूपिताशंभोभवईशा । मदमदनमरदीभूत
पाहरदेवदेवदयालध्याइजयजयतारे भजेशंभोभ
जेशंभोभजेशंभो२६४ ॥ रागबिहागराहोलीतालधमारि॥
आजुचलुघेरिधरैंरीमदनगोपालहिकेशरिरँगबोरैं।
प्रतिदिनछेकिखिझावतमोकोमानश्यामकोतोरैं ।
मुरलीछीनिरोरिमुखमेलैंसकुचिलालकरजोरैं ।
ध्यानदेखिक्षितिपालकृष्णदे देखुकृपाकी कोरैं
२६५॥ शङ्कराभरणाख्यालतिलवाड़ा॥गावतसखीसोहिला
नाचैरीबर्षगांठिगोपाला। अतिआनन्दसकलपुर
बासीमगननंदक्षितिपाला२६६ ॥ शङ्कराभरणाख्याल
तालतिलवाड़ा ॥ क्योंनहिंध्यावैरेशठचरणभवानी ।
जाकीकृपाबिरंचिउचाहै सोक्षितिपालनजानी ।
२६७ ॥ शंकराभरनख्यालझूमरा ॥ जपोरेजगतमातुको
मनलाइवेदमुनीशनगाइ । चेतुचेतुक्षितिपालचेतु
चरणशरणपैजाइ २६८ ॥ रागतैलङ्गहोरीधमारि ॥ च

लोमिलिखेलैंप्यारीडफधुकारसुनि चहुंअबीरनभ छाई। मानतजीक्षितिपालनारिवहमनहुंबिज्जुसी आई २६६ सजिसखिआईप्यारोसखनटेरदीजै फागजीतमयनपाई । सप्तकरीक्षितिपालग्वालि मिलिमुरलिलीन्हिधरिल्याई २७० ॥ रागबहारता लकत्तारखानीचतुरंग ॥ चतुरंगदलदानवदलनिकिये। गहिकैकरकर बालकरालकालिकेसुरनरमुनिक रिअभयहिये । धाधरिसानिनिरेसरेससससगरेस घमधामपगसयामपगमघपग मघपगमधधनिस गसगगरेसारेरेसनिससनिधाधनिसा नाद्रितदी मतननतदारेततदानीतनदेर नातनदेरनादेरन दीदेरनदींदींतदरे दानीतान्नदेरतननदेरनतदरे दानीधाकिटतकधुमकिटितकधित्तातध्लांतक्धात थातथ्वाथोंथारिकिटि थोंगथोंगतकनगदिटथात कृध्लांधुमकिटितधिन्नातकृध्लां धुमकिटतकधि न्नातकृध्लांतकधास बांक्षितफलक्षितिपालदिये २७१ ॥ रागईमन तालतिलवाड़ा ॥ चतुरंगचतुरसुघ सुघरनायगायसुनायदेबिदरबारजायजो मन बांछितफलचारिपाय मपगमपगपापापपसासा सरेगममगरे सनिधपमगरेसगगपासनिधपम

पधनिधुपमगमपधपमगरे गमपमगरेसनिसाध नीपधामपागमारेगासासस दीम्तदीम्तननतदा रेततदानोदियनारे दीयनारे तदेर्नादेर्नरे तरदा नितदीदीदीम्तननदेगनदेगन दिगदिन्नादिन्ना धुमकिटितकतिरिकिटितकधा टागनेगनेगंनेगं थुकुथुकुथुन्ना धाधाकत्तधाकत्तधाकत्त धाक्षिति पालअभयबरदीजैलीजैसुयशमाय २७२॥ चेवट रागअड़ानाबहारतालकेतारखानी ॥ कतूकतूक्रांगाधाकत कतूक्रांधकिटतकधुमकिटतक धांकिडतकदद्गि नधलधांनधधाधाधलधां नधधाधाधलधांननताकि टकिगाकथोंथोंगिदगिननकदिगदिगतेतेतेतेधाधा तूनातूनाततक्रांतक्रांतकिगाकिटतकतकथुंतकथुंध् धुतुन्नकँतातकध्लांकध्लांधुमकिटतकध्लोंध्लोंधुम किटतकध्लोंध्लांधुमकिटतकध्लांध्लांधुमकिटतक धाःतिरकिट तिरकिटतकतकतकतिरकिटतकतिर किट तकधाधितेधितेताकिधाम जगनिगधित्तात थ्या२७३॥दोहा ॥ लोकरीतिअरुशास्त्रमत भेदरा गव्यवहार। सोसबबरर्णोयथामतिबुधजनलेहुसु धार२७४ जोरिपानिसुरवृंदकेडारिचरणपैभाल भजनबिनयबर्णनकरोंमातुदासक्षितिपाल २७५

भैरवीजल्दतिताला॥ जोजनसेवैचरणभवानी।तिनको डरयमराजनभूलेहुकहतमुनीश्वरज्ञानी।नाहकपु रुबसुकृतबिगारतहोतक्षणक्षणहानी। बिगरेबहु रिनसुधरैंयातनज्योंमोतिनकोपानी । वहीएकज गतारनिकारणिकहूंशरणनहिंआनी। महारानि क्षितिपालध्यानकरुछांड़िसकलकलकानी२७६। रागभैरवीतालधीमातिताला ॥ क्योंनहिंमेरेकलुषहिजा रै । जिनअसुरनसुरनाचनचाये।तिनकोतौतुवमा रै । दलनघोरअबनामबिदितहैचितदैनेकुबिचारै। यातेश्रुतिबिरोधक्योंभासैउचितशीघ्रअवतारै । जोमनबचक्रमकपटत्यागिकैचरणशरणउरधारै। ताकोभूलिभावभोरेतेक्योंजगदम्बबिसारै । हों अतिदीनबिकलआरतबशअबबिनतीनहिंटारै । तेरोकहाजगतक्षितिपालहिबूड़तक्योंनउबारै । २७७॥ रागभैरवीअद्धाताल ॥ श्रीचंडीचरणरतमन करिये । आवागवनबहुरिनहिंहोवैजगप्रमादमें क्योंपरिये । जाकोकिंचितसुयशबखानतकलुष धर्मदोउदरिये । कौनदेवदेवैयहशुभगतिकेहि प्रकारभवनिधतरिये।स्वप्नमोहजगनिश्चयजानो निकटकालताकोडरिये। असबिबेकजोभासैमन

मेंसकलशोकआपुहिजरिये। होसन्मुखक्षितिपा
लबिमलतजिचरणमातुदृढ़करिधरिये २७८ ॥
भैरवीकत्तारखानी ॥ गाइयेगुणचरणभवानीआदिदेव
श्रुतिवेदबखानी। नेककृपाचारोंफलदेवैबिदितसु
यशबांछितकीदानी। प्रणतपादजगदीशईशबिधि
सेवैगुरुसुरेशमुनिज्ञानी। भणितगीतक्षितिपाल
बालकीबिदितकरोजयजयश्रीबानी २७६॥ रागता
लयथा॥हेशठभजोचरणमहरानी। जातेजनममरन
भयछूटतयमकीफांसीभानी। सुतबितनारिसाथन
हिंजैहैंवृथाआपनीहानी। यहभ्रमजालस्वप्ननिश्चि
छनकोसत्यमानपरहिंचानी। बाजीगरकोस्वांगदे
खिकैमूढ़होतअभिमानी। होईसोइअम्बजोकरिहै
मतिक्षितिपालभुलानी २८० ॥ रागतालयथा ॥
हेमनअम्बसुयशकबगैहो ॥ बारबारमानुषनहिं
होइहोकयाअवसरयहपैहो। देहआपनीसंगन
जैहैऔरकाहलैजैहो। कालकलेऊदेवनकीन्हों
फिरिपाछेपछितैहो। जाकोतुमअपनोकरिमान
तताहिनसोंतुहसैहो। चेतुचेतुक्षितिपालचेतकरु
इहांफेरिनहिंऐहो २८१ ॥ भैरवीकेतारखानोताल ॥
हिंडोलारेझूलैंश्यामहमारे। लटकचालमुरली

करसोहैजियमोहेश्यामलतनकारे ॥ दरशदेहुक्षि
तिपालराधिके बिनयसुनतदेवनतूतारे २८२ ॥
भैरवीतालकेतारखानी ॥ प्रियासंगश्यामखेलेआंख
चोरी । गोपीभीरमुदितसबडोलैंयुगलचन्दशोभि
तवहजोरी । नयनब्याजमेलेवमृगनैनीउरप्रमेददे
रुयेकोउगोरी। चलोसखीइतहीनहिं आवोयहगि
रिधरमालाममतोरी । अम्बचरणक्षितिपालदेहुर
तिनन्दनँदनवृषभानकिशोरी २८३ ॥ सिंधुभैरवी
तालकीचाली॥ जयजयमहेशत्रिपुरारी॥ दुखहरणदीन
सुखकारी । यहअगमसिन्धुभवभारी । प्रभुह्वैकृ
पालमोहितारी । गावैंपुराणरबिचन्द्रआदितुवच
राहरिबिधिगणेशसबतेरा । जाकोआदिअंतनहिते
रो। बुधसिद्धमुनिनितध्यावैं । मनबांछितकोफलपा
वैं। नारदधनेशयशगावैं। सुरराजचरणचितलावैं ।
क्षितिपाल बिनयसुनिलीजै। यहदानदयाकरिदी
जै। निजनगरनेवासोकीजै । मतिअंबभक्तिरसभी
जै२८४॥ रागतालयथा ॥ अतिबिकलबुद्धिअकुलानी।
सुनियेदयालमहरानी। मनबिषयभोगरससमानी ।
तातेतुवसुरतिभुलानी। जगबीचबड़ाईपाई। ममता
प्रमाददउरछाई । यहनिरखिअमितप्रभुताई । तहँ

मूरो आनि गँवाई । भवसिंधु घोर अति भारी । तृष्णा
तरंग अधिकारी । अतिविकट गैल अँधियारी । सूझै
नहिं हाथ पसारी । कलि चहूं दिशा दर शावै । समता
संतोष न आवै । ताहूपै लोभ बढ़ावै । सुत बित दारा मन
लावै । यह भोगत हैं छनको । सुनु तजि बिकार सब म
नको । कछु काम न ऐहैं तनको । सतसंग करो सज्जनको ।
धन मापद नन हिं दीनों । जप योग ज्ञान रत हीनों । अ
बिमुक्त तीर्थ नहिं कीनो । लखि रूप मोह लवलीनो ।
क्षितिपाल भाल तुव केरो । जगदुख दया दिग हेरो । तु
व पद भव लि खि कोबेरो । ताते करु पार सबेरो २८५॥
सिंधुभैरवी ताल कनारवाली ॥ दीनबन्धु दुखदलन दया
करु । दामोदर दनुजारि देवतरु । गोवर्द्धनगोपा
ल गोप पति गावत गीत गोपिन गोरस हरु । छोरन
छोर छली छल छन्दन क्षिति छहरै क्षितिपाल छाहँ
करु २८६ ॥ सिंधुभैरवी ताल कनारवाली ॥ कहँ लगि क
हियो जियको हाल । जानि बूझि सन्तोष न आवै नि
शि दिन रचत मोह को जाल । टारनहार कौन है या
को लिख्यो अंक करतेरे भाल । चाख्यो रस प्रमाद
उर छायो बीति गयो यह टढ़ी चाल । होश करो हे चतु
र जुवारी गाजत शीश केश गहि काल । अभय एक

जगदम्बशरणह्वैअनन्यचेतोक्षितिपाल २८७॥
रागललिततालकत्तारखानी ॥ सँगलालनलैवृषभानल
ली । खेलनशिशुकरिबनबाटचली । कोकिलपु
कारनाचतमयूरझकिबेलिलताशोभाजोभली । बे
णुटेरिगोपिनकोमोहतआपुलुकतकुंजनकीगली ।
चरणचरिडक्षितिपालदेहुअबहृदयबीचसुनुकान्ह
छली २८८ ॥ रागललिततालकत्तारखानी ॥ आतिहुला
सवृषभानसुतारी । कुंजबीचमिलिगयोमुरारी ।
बिहँसिदेखिप्यारीसबबोलत औररूपह्वैगईकु
मारी । सखिनवोरदेखतनहिंश्यामा श्यामरंगरँ
गिरहीदुलारी । अम्बध्यानक्षितिपाललाड़िली
बिनतीयहमैंकरततिहारी २८९ ॥ रागबिभासताल
कत्तारखानी ॥ चरणलगेकीछोहकीजै अबमहरानि
बिदिततिहारोयशजीवउपकारी । भलेदेवीनाम
कढ़ोताहूआपपारकियो मोहीकोअपारभयोभयो
मौनधारी । जोईजोईतुवगायोसोईसोईगतिपा
योशंकरदिनेशरामइनहिंउबारी । कोटिनसमूह
जुत्थदानवनिशुम्भशुम्भ तेरोईत्रिशूलइनखलन
संहारी । चारिबेदआदिगायोध्याननहूनरूपआयो
शरणकौनजावैआपुहीबिचारी । तेरोक्षितिपाल

बालबूझितकिसुनाहालुपाछेपछितैहौ मातुबिप
तिबिचारी २६० ॥ रागबिभासतालकत्तारखानी ॥ कौ
नसुनेगीमेरीमौनभईमहामाय सूझैनऔरदूजोच
रणसहारो। पापिनमेंमहापापीखलनमेंएकैहौंभ
लोबुरोदासजानिबूझितउबारो। बालककौटिक
सदामाताअतिभाव तेरोईत्रिलोकसुतयातेतुवभा
रो। बिनतीकहालौंकरोंपूरीआशबेगिकरो राखो
क्षितिपाललाजशरणपुकारो २६१ ॥ रागभठियार
तालतिलवाड़ा ॥ सियपदनिश्चयवोटजोधरिये। सुत
बितनारिआदि क्षितितलकेवृथामोहनहिंपरिये।
ताड़नदेहुनिन्द्यभाषैकोउयातेकछुनहिंडरिये। शो
कहर्षयकसमबिचारिकेबादबिवादहिहरिये। इ
न्द्रिनबीचभोगकोत्यागनएकरूपलैकरिये। तौ
क्षितिपालश्रेष्ठसुखभोगै एकनिमिषनहिंटरिये।
२६२ ॥ रागभठियारतालतिलवाड़ा ॥ करुमनध्यानअ
म्बचरणनको। मुक्तिहोतहैयहीनामतेमिटैत्रास
यमगनको। जोगतिसिद्धमुनीशनपावैंसोगतिअ
पनेजनको। ताकोसुखसुरपतिनितजोवैछुटैमोह
यहमनको। ऐसोकौनदेवहैसमरथगतिदायकत्रि
भुवनको। बड़ाफेरचौरासीभोग्योलखुस्वरूपनि

जतनको । तृष्णालोभत्यागिक्षितितलकोकरोदा
नसबधनको । बांछितफलक्षितिपालदेहुअबरा
खमातुयहिप्रणको २६३ ॥ रागषट्कत्तारखानी ॥ यशु
मतिकहैसुनोगिरिधारी । राधारमणमनहिंकिल
कारी । सूर्यवंशत्रेताबिचराजादशरथनामकहत
जगसारी। तिनकेपुत्रचारिअतिसुंदररामराजपितु
भारबिचारी । माताकहैभारनहिंदीजैबचनमानि
तबबनहिंसिधारी । लक्ष्मणअनुजप्रियासँगवाके
जनकसुताभाषतबालारी । गिरिआरण्यबासउन
कीन्होंभूलीकनकमृगापरप्यारी । रावणअसुरछ
ल्योतहँआई सीताहरणदियोदुखभारी । धनुषध
नुषभैयाकोटेरयोयदुनंदनजूनयनउघारी । अबच
रणक्षितिपालबेगिदेबिनतीयहब्रजचंदतिहारी ।
२६४ रागषट्कत्तारखानी ॥ महारानिबिनतीसुनिलीजै
काशीदरशबेगिअबदीजै। दासहेततनधरनमातुजू
आशापूर्णातुरतममकीजै। यहप्रकारक्षितिपालचर
णमेंशरणमानिसुनियेतेरीजै २६५ ॥ रागषट्तालक
त्तारखानी ॥ सुनिअंबबेलायहमेरी । कृपाकरहुआशा
मोहिंतेरी । हरनगरीततकालदेखावहुशीघ्रसिद्धि
ममकरुमतिदेरी । दयादानक्षितिपालबेगिदेज-

गतशरणसुनियेअबहेरी २६६ ॥ रागअलहियाकत्तारखानी ॥ बिनयनहींसुनतीमहमाया। त्यागिदेव
सकलतुवआशासेवकदुपकबहूंनहिंपाया। चरण
सेइकाकेढिगजावेंब्रह्मशीशतेरोपगछाया। अन्य
दासबहुतेतुवतारेनिजअनुचरकरियेअबदाया।
लाजहाथतेरेमहरानीअभयदानदीजेकरुसाया।
तुहीशरणक्षितिपालबालकोसकलछोड़ितेरोयश
गाया २६७॥ रागअलहियाकत्तारखानी ॥ अरुबध्यान
करियेंहियमाहीं। बदनचारुउपमानहिंदूजीहिम
करदेखिसकुचिपछिताहीं। मुकुटचारुभूषितशिर
ऊपरमारतखडछबिदीन्हदेखाई। अतिबिचित्रबी
रनकीशोभामनहुंमदनरथचक्रचढ़ाई। सुभगचा
रिभुजचारुबिराजैंकंजसनालहिप्रातमिटायो। मु
क्तमालगरमध्यसुहायेलहरिगंगकीचरिबनायो।
तीनिदेवबंदितकरजोरेसकलदेवजाकोमुखजोवैं।
यहशोभाकबिबरणौंकैसेशेषसहसमुखकीगतिगोवैं।
जपैमातुक्षितिपालकदंबा। दरशदेहुकीजेनबिलं
बा२६८॥ रागअलहियाकत्तारखानी ॥यहभाग्यचरणन
नहिंदेखे। जोपदकोइन्द्रादिकसेवतनिकटपाइ
ताकोनहिंपेखे। पापभंजिइस्थितभयचालेक्षमिये

चूकदरशदेमाई। सकलदासबांछितफलपायोमे
टूप्यासचरणानलखिपाई। देरनहींसमरथकोचा
हीदयादानकैसेअबजानी। बालकहठमैयाको
प्यारोनहिंसुनतीक्षितिपालकीबानी २६६॥ राग
अलहियाकत्तारखानी॥ क्षमाचूककरियेमहरानी। च
रणकमलसेवकनिजजानी। देवबाक्यचंडीजूदा
नी।बिदितदासक्षितिपालभवानी ३००॥ रागअल
हियातालतिलवाड़ा॥ जोजनध्यानकरैश्रीमहामाय
को। जगकोबनावैप्रतिपालैबिनशावैआपैकाल
ऊडरतजाकीचहतसहायको। महिषासुरकोबिदा
र्योरक्तबीजमारिडार्योभूतल उबार्योवेदचारि
उकरिदायको। चंडमुंडकोसंहार्योशुंभऔनिशुंभ
मार्योदेवनकोदुःखहर्योधरिदशकायको। कहि
क्षितिपालकोदयालक्ष्मै बिशालभक्तिदीजैबरदान
बेगिबिलँबनलाइको ३०१॥ रागअलहियातालतिल
वाड़ा॥ हेरेमनत्यागिबिषयभजुअम्बको। काम
क्रोधमदलोभमोहसबछोड़िजगतकेदम्भको। जा
कीकृपाकटाक्षबिलोकनिसिद्धिसिद्धिपतिकियोशं
भुको। अन्यदेवक्षितिपालआशतजिभजोमातुहे
रम्बको ३०२॥ रागअलहियातालतिलवाड़ा॥ जोज

नजानिभजैपदमहामायके। मोहछूटिअतिज्ञान होतहैध्यावतचरणकमलचितलायके। गणपति बिष्णुआदिसबगावतसुखीहोत बांछितफलपायके। बिनयसुनोक्षितिपालअम्बयहकरुनेवासआनँदबनआयके ३०३॥ रागअलहियातालकत्तारखानी॥ मोहिंराधिकेबेगिसुधारो। तोहिमातुबन्दौंकरजोरेहियबिचतुरतैरूपपधारो। चूकदासक्षमियेमहरानीत्रिभुवनकोतुवआपुउदारो। भवसमुद्रतरनीपगुदीजेतुहीएकक्षितिपालअधारो ३०४॥ रागअलहियातालकत्तारखानी॥ हैवहकवनराधिकाप्यारी। यहपूंछैरुक्मिनिप्रियनारी। भवँरभीरगुंजैंजेहिऊपरसोजानोवहनवलदुलारी। ब्रजपतिकियोछांहपीतांबरमुरलीत्यागिवोढ़ावतसारी। पितानामकुलधामबतावोधन्ययुवतिबलिजाउँतिहारी। सदनजातिकछुकामनआवै बसिजनियेगोलोकबिहारी। अम्बचरणक्षितिपालध्यानदेटेरतहैंगिरिवरनखधारी ३०५॥ रागअलहियातालतिलवाड़ा॥ आजुसज्योराधाजूकोप्यारी मोहितदेखिभयोगिरिधारी। कमलरूपमुखचंददीपज्योंभूषणचारुबाढ़नीकारी। बगौंकौनदेखिवहशोभाचेरीजानि

मदनकीनारी। ध्यानदेविक्षितिपालबेगिदेसुनि येहेवृषभानदुलारी ३०६ ॥ रागअलहियाताल कत्तारखानी॥ सुनियेपाहिपाहित्रिपुरारी। एकबारजोजपैआपकोहोवैसकलबिहारी। होइदयालअम्बपग दीजेदासबिनयउपकारी। करोपारक्षितिपालअज्ञकोबिषयसिंधुभवभारी ३०७॥ रागअलहियाकत्तारखानी॥ आयसांवरोबेणुबजायो। सुनतबालप्रमुदितउरअंतरज्योंपपीहस्वातीजलपायो। हरितमुरलिअधरनअरुणाई इन्द्रचापद्युतिदासबनायो। बसनपीतकुण्डलकीडोलनिमदनदेवहियक्षोभबढ़ायो। यहस्वरूपउपमाकेहिदीजैशैलनीलपैचंदलुभायो। मिलैध्यानक्षितिपालअम्बकोसकलदेवतजितुवढिगआयो ३०८॥ रागअलहियाकत्तारखानी॥ यशुमतिसोहरिहिमकरमांगो। कटिकिंकिनिनूपुरधरितोर्‌योकरिमचलाइसदनकोभागो दुलहीनवलराधिकालीजे सुनतलालहठमांगनलागो। शयनबेगिकरिहौतौपैहौगोदशीशदैफिरिउठिजागो। मायपुत्रलीलाकोदेखैब्रजबनिताधनिधनिअनुरागो। दरशमातुदीजेक्षितिपालहिजातेमिटैबिषयभ्रमरागो ३०९॥ रागअलहियाकत्तारखानी॥

श्यामकेशगूंधैमनिगोरी। चंद्रावलिलालनढि
गआईऔचकसुमनमालहरितोरी। करदर्पणधरि
चतुरबिलोक्योमृदुमुसकातकुंवरमूखमोरी।द्वैप्या
रीतेहिमध्यकान्हजू कनकखंभबिचचंद्रलसोरी।
भृकुटीकुटिलयुगलबनितनकीमनहुंकुदंडबनोरी।
परस्योकान्हयुगलकरउरपर चक्रबाकयुगमनहु
हुशोरी।यहचरित्रचतुराननदुर्लभसोमोहनखेलत
सँगवोरी। महामायक्षितिपालध्यानदेदासदया
लक्षमहुममखोरी ३१०॥ रागअलहियाकत्तारखानो॥
सुनमैयामाखननहिंखाऊं। तूसुतवाबलिभद्रखि
याऊं। वागोदीहमकोनहिंपूछैशिरचोटीनहिंको
टिगुंधाऊं। अरेलालकैसेतूबोलतनयनदोऊतोपै
बलिजाऊं। उरमेंलईमातुलालाकोकिलकैहँसै
मातुतुवघाऊं। शक्तिध्यानक्षितिपालकृष्णदेचर
णआपुमैंशिशनवाऊं ३११॥ रागअलहियातालति
लवाड़ा॥ सुतयशुमतिकोरासरचोरी। सजिशृंगा
रतूवेगिचलोरी। बजतबेणुअरुनाच्यतालयुतभ्र
मितदेखगंधर्वभयोरी। मोरमुकुटपीताम्बरशोभि
तजनुसुमेरुपैभानुकढ़ोरी। तिलकपीतबिचअरु
णबिंदुलखुकामजीतिजैपत्रलिखोरी। अधरदश

नबिहँसनिकुबिदेखोमनहुतड़ितबिचकंजनन्नसोरी बनमालाश्यामलगरशोभितमानहुरतिजयमाल दयोरी। गोपिनप्रतिनटवरबरडोलतबहुस्वरूपरतिकामनननोरी। देहुज्ञानक्षितिपालकृष्णजूमातुचरणस्थितिमतिमोरी ३१२ ॥ रागअलहियाताल तिलवाड़ा ॥ मैंतोपरीश्यामकेफंदा। बांकीभौंहतिरीछीचितवनिवहमुखअतिशोभितचंदा। झूठीबचनकुटिलअतिनागरमैंभूलीमतिमंदा। मुरलीतानफांसडारतगरयुवतिनआनँदकंदा। म्वहिंदेखाउप्यारीवहमूरतिवहसुतयशुमतिनंदा। तीनिलोकबैकुण्ठबिहारीखेलतप्रियछलछंदा। मातुचरणक्षितिपालदेहुतुमब्रजदूलहसुखकंदा ३१३ रागालहासावरतालकत्तारवानी ॥ बालाशिवामहामायभजुभजुसुनुमनदेवीमायकालीजू हिमवानकीनंदिनिश्रीभवानीवर। अष्टपानिजगकारणितारणिदैत्यबिदारणिदेवउबारणिपारब्रह्म परमेश्वरपरपरशुरुभविध्वंसनिधरनिचापशर। गौरीकाशिरातिभवभंजनिमायादरसुरारिमद गंजनिमहिषासुरअरुरक्तबीजपापिष्टप्राणनहर। दुर्गादीनदयालदलनिदुखजयजयजगतजननि जनरंजनि

यमयातनाज्वालजुरजारनिछोहछांह क्षितिपाल छत्रधर ३१४ ॥ रागलचासाखेकत्तारखानी ॥ ताराउ माशंभुरानीजपुजपुहेरेमन चंडीकमलापार्बती मिथिलेशकिनंदिनिदुसहदुःखहर । आदिशक्ति बिन्धेश्वरिअम्बालक्ष्मीसीतासतीईश्वरी महा रानिसिद्धेश्वरिभीमात्रिपुरसुंदरीरमासर्बपर । त्रिपुराशैलसुतामातंगीबाराहीरुद्रानीगिरिजाबा गेश्वरीभैरवीभद्राअसुरदुष्टदर । दक्षसुताशंकरी सरस्वतीचामुण्डाशारदाकामदा ब्रह्माणीमबरा गीबिमलाचरणकमलक्षितिपालदेहुबर ३१५ ॥ रागसरपरदाकत्तारखानीताल ॥ करुअरोग्यभगवतिबर दानी । दासदुःखहरियेअबबेगिहिपाहिपाहि बिनवतजगरानी । सेवकमानसदाचरणनतव ह्वैकृपालसुनियेयहबानी । तुवअनुचरक्षिति पालकहावैकागतरनिज्योंआशभवानी ३१६ ॥ रागसरपरदाकत्तारखानी ॥ गहोअत्रसुनियेजगदम्बा ।शो चदासभूलीतुवअम्बा । शुंभशीशपलमेंहतिडारी सोकृपाणतजिदीन्हीमाई । महिषमुंडकाट्योत्रि शूलतेसोत्रिशूलकालीधरिआई । रक्तबीजजेहिश रतेमार्योताकोअबकुंठितकरिजानी । धूम्रदुष्ट

श्वासातेजारयोप्रकृतिमातुअवधारयोआनी । क हँलगिगनोंनामअधमनको कोटिनयुत्थनिमिषम हँखडी । यहअवसरक्षितिपालदासकीसकलआ शपूरणाकरुचंडी ३१७ ॥ रागसरपरदाकत्तारखानो ॥ बेगिसिद्धिकीजैमहरानी । नहिंअलस्वमोकोअब आनी । अन्यदेवभूलेहुनहिंजानतशरणएकतुव जियविचठानी । जोचाहौसोकीजैमैयासेवकलो गकहतयहबानी । चरणपूजदेखौंमुखकाकोशास्त्र कहतअरुबेजूदानी । तीनिदेवआननअवलोकत रक्षरक्षहमातुभवानी । यथानामकोजैहेचंडीमहा अन्नक्षितिपालहिजानी ३१८ ॥ रागसरपरदाकत्तार खानी ॥ आजुभाइकीजागसुहाई । रतनमयीथलव हअतिराजितकरुशदीपजनुप्रकटजुन्हाई । नार दादिमुनिगानकरतहैंवेदपढ़तचतुराननआई । च मरछत्रगणपतिकरलीन्हेंपूजकवरतहँअयोकन्हा ई । बरबाहनकेहरिवहशोभिततेजतरणितहँजात छपाई । त्राहित्राहिक्षितिपालपुकारततुमबिनुमो हिकोकरतसहाई ३१९ ॥ रागसरपरदाकत्तारखानो ॥ निठुरभईसुनतीनहिंमाई । दीननपालबिदिततुव माई । असुरनाशक्षणमेंकरिड़ारयोदेवनबिनय

सुनतउठिधाई। यमनत्रासतेतुरितउबारोनाथशं
भुचरणनदेखराई। सुनोमातुक्षितिपालबालकी
दासदयालशरणअबआई ३२०॥ रागवरपरदाकत्ता
रखानी॥ श्यामलाड़लीरासमचायो। गोपीगोप
देखितनशोभाकामदेवरतिमुखहिछपायो। अधर
लालमुरलीकैटेरनिमानहुइंदुसुधावरसायो। ति
यसमूहश्यामलकोदेखैजैसेचन्द्रचकोरबनायो।
नाट्यवादिवाक्षणकोवणैइन्द्रसभाजनु जीतिल
जायो। धन्यमातुचरणनकीमहिमाजोक्षितिपाल
हिपारलगायो ३२१॥ रागमधुमासतालकत्तारखानी॥
ममआशायकगौरिचरणकी। हरिशिवब्रह्मआदि
कारणतूवेदबिदितयशदासतरनकी। पगपरसत
लरजतसुनिताकोयमहियत्रासप्रवेश करनकी।
जोप्रसादसुरराजबिलोकै सोदयालुगतिदेतनर
नकी। जोमातारखतपोषतअँग मानिछोहवह
क्रोड़भरनकी। सुनुअम्बाक्षितिपालबालकीनहिं
अलम्बमोहिंअन्यशरणकी३२२॥ रागमधुमासकत्ता
रखानी॥ पूरितकरुसुनुदासपरनको। सकलदेव
पूरितपादाम्बुजममआशातूअन्यशरणको। हरि
सुरेशचतुराननटेरत पाहिहेदुःखहरनको। तुहीं

अम्बत्रिभुवनकीकारणपादसेइतुवइतरतरणको।
चारिवेदमहिमापदगावै त्यागितोहिकहुकौनशर
णको । देहुमातुक्षितिपालबालकोनहिं बिलम्ब
करुदरशचरणको ३२३॥ रागमधुमासऋत्तारखानी॥
हरिनिरख्योछबिप्यारिकुचनकी। मृगमदबुंदनी
लबंदनबिचशशिमुखंबिरिबिराजुरचनकी। मणि
मालाहलकत उरझलकतबसनचारुकटिफेरिगच
नकी । मत्तगयन्दचालल्लखि लज्जितरतिहिय
क्षोभबिलोकिचलनकी । मममोह्योव्याकुलमन
भावननिकटकह्योकछुबोलजवनकी। हेराधेक्षि
तिपालबोधदे अरुप्रतीतिनिजनिगमवचनकी ।
३२४ ॥ रागमधुमासऋत्तारखानी ॥ लखुछबिरीतू
श्यामठटनकी । कमलनयनशोभाकोहिदीजेल
ज्जितरीलखिमीनमटनकी।देखिभुवंगमक्षोभित
होवैशिरऊपररीशोभिलटनकी। भ्रमितहोतमृग
राजलाजपैघनिधनिरी वहचारुकटनकी। शैल
नीलपै भानुज्योतिज्योंलखियोरीफहरानिपटन
की । हरितबेणुटेरतव्रजदूलहानिरखोरीछबिछ
नकछटनकी । सुरभबीचबिहरतबनवारीसुखपे
खोरीयमुनतटनकी। ध्यानअंबदीजैयदुनन्दनसु

नियोरीक्षितिपालरटनकी ३२५ ॥ रागमधुमासकेतार
खानी ॥ जन्मपुत्रयहसुन्योनंदजबमंगलगानकरन
लागेसब । नारिउठायलालमुखचूमतयशुमति
तुम्हरोधन्यभागअब। गर्गआदिआशिषबहुदीन्हो
दानग्रहणाकरिगयेपलटितब। गौरिचरणक्षितिपा
लध्यानदेत्रिभुवनमरचितुमखेलकरतनव ३२६ ॥
मधुमासकेतारखानी ॥ दूलहआजुबनेयदुनन्दनस
जिबरातवृषभानुगयेघर। मगनहोतप्यारीबिलो
किकैसुंदररूपबनेमोहनबर। तंदुलफेंकिभामिनी
गावत मुदितग्वालसबहोतपरस्पर । ग्रंथिबंधि
राधासँगलालनसखीलेवाइगईं मण्डफतर। कोह
बरमध्यभयेफिरिदोऊमेलतदीपश्यामअपनेकर।
भोजनहेतनंदकोल्यायोगारीदेतसकलनारीनर।
कृष्णपलटिगोकुलकोआयो प्रिययशुमतिलायो
अपनेगर। चरणशक्तिक्षितिपालदेहुबरहरोनाथ
यमराजबेगिडर ३२७॥ रागमधुमासतालकत्तारखानी॥
रघुनंदनजूआजुबनेबर। चलेभूपसजिजनकद्वार
पर। करिशृँगारयुवतीजुरिआईं गावतकोकिल
नादमनोहर । अक्षतवृष्टिकरहिंअनेकबिधिमा
नोंमघामेघलाईझर। द्वारचारब्योहारसकलकरि

ग्रंथिबांधिलैगइ बितानतर । लोकरीतिकुलरीति बेदबिधिकरतसप्रीतिहरषउरनिर्भर । भांवरिफिरतसुभगदोउजोरीकौतुक गारदीपमेलतकर । सुखबिलासरनिवाशहांसबशफिरफिरहोतमगन आनँदसर । महाराजजोरीसुनिबिहँसतभोजन करतहर्षिसिगरेनर । कुशलसबन्धुब्याहिघर आयेकोशलरानिलाइलीन्हींउर । हर्षिकरहिं न्योछावरबहुबिधिमुक्तामणिमाणिकमोतीलर । सुनिचरित्रब्याहचरुग्यमानिमनपूछतमातुहर्षिउर अन्तर । केहिप्रकारसुतकरकमलनतेअतिकठोर भंजेहुपिनाकहर । मंगलरुपाहरुछाहसमयसोक हिनसकहिँ सबसहसउबिधर । भानुबंशक्षितिपालबंशतुमशक्तिध्यान दृढ़हिकरुणाकर ३२८ ॥
मधुमासकीनारखानो ॥ आजुनारिकौशलपुरगावैंभूपतिकेसुतप्रकटभयो । सजिअप्सराद्वारपै नाचैं पिक प्रकारजनशब्दरयो । पीतबसनतनचारु बिराजैमदनदेखिछबिलाजिगयो । सातदीपराजनजुरिआये कौतुकदेखतमगनभयो । पढ़त नामअक्षतदुबालैभूपनकेशिरतिलकलयो । गुरु बसिष्ठ बिधि बिप्रिविमुनावत मणिमुक्ताकोदान

दयो । देखिरूपलक्षणरघुबरकोमारतगढजनु युगलउयो। करहुरामक्षितिपालदासकोब्रह्मणी केचरणधयो ३२६ ॥ रागमधुमामकत्तारखानी ॥ सारी ब्रजनारी जुरिबनहिं गईरे । शीतलनीरभानुजा डोलैपुष्पितलतानईरे । धेनुसाथमोहनतहँआये देखतबामचलीरे । अतिबिलासलालाबाघूमैंरवी चतपकरि मलोरी । मुकुटपीतप्यारीश्रणधारै श्यामलहारहरीरी। यशुमतिधन्यभूमिवहधनिहै धनिवाखेलकरीरी । तीनिलोकदेवनजोबंदितगो पीसहज लईरी । अम्बध्यानक्षितिपालबेगिदेता रतदीनहईरी ३३० श्यामलरासरच्योवृंदाबन। देवबधूसबदेखिभ्रमितमन । राधासँगनटवरबर नाचतन्योछावरिजियकरतसखाजन । बशिकरि बोगोपिनकेकारण बहुस्वरूपधरिलियोत्यहीक्ष न । कोलेहेतुयहकियोलालजी लुक्योजाइजहँ लताअतिकघन । ब्याकुलहवैखोजन कहँ धाईं मिल्योश्यामहर्षितनारीगन । चंडिदास क्षितिपा लदेखिकै तुमपरवारौंत्रिभुवनकोधन ३३१ ॥ रागधनाश्रीतालकत्तारखानी ॥ अम्बकहो जगदम्बकहो मनइन्द्रादिककोमानदहारे।गर्भवाससेवाजिनकी

न्हा। असनक्षीरमातातनदीन्हा। कृपामूढ़अज हूंनहिंचीन्हा। भजोदेविसम्मुखलवलीन्हा। कछुककालखेलनसोबीते। द्वतियकालपोष्योबसिताते। त्रितियकालघेरयोजबथीते। अथाजन्मधरणीबिचबीते। मुखबिहीनगौरीरतिहीने। करबिहीनलक्ष्मीबिनुदीने। पगबिहीनकासीबिनुकीने। शठकृतग्रहेबुद्धिमलीने। प्रणततोहिंहेअम्बपुकारी। हरिबिरंचिदेवनतूतारी। दयापात्रझितिपालबिचारी। त्राहित्राहिभवसिंधुउबारी३३२॥ मायाभजोमहामायभजो जियअंतबेरपदलीनचहोरे। धनिस्वरूपमानुषकोपायो। अजहुंमूढ़गौरीनहिंगायो। सुतबितनारिमोहमनलायो। तृपालागिहरिनागतिधायो। भ्रमितजीवअबकीमिलिपारी। बाराणसीनिकटउपकारी। पाहिसुनतअम्बातूतारी। महामंत्रकाननबिचडारी। अवसरभूलिजुवापछिताई। तनपवित्रबेगिहिनहिंपाई। गतिअगम्यजानीकयोंजाई। अधमचेतुकालीसुखदाई। क्षमाचूककरियेमहरानी। चरणकमलसेवकनिजजानी। बेदबाक्यचंडीजूदानी। बिदितदासक्षितिपालभवानी ३३३॥

मातुजपोजगमातुजपो शठजन्मादिकको नाश
करोरे । भुवनतीनिक्षणमें उपजाई । ब्रह्मसेइ
रचनामतिपाई । आदिदेवबेदनबिचगाई । बि
षयत्यागिटेरोतुवमाई । बिंधत्रिकोणवासजनकी
जे । महामंत्रअम्बायहलीजै । करिबिरागराग
हितजिदीजै । ह्वैअनंदअमृतरसपीजै । हरि
दिनेशआदिकमुखजोवै । कालआयतेरोपगधो
वै । भययमजीतिनामयशहोवै । यहअलभ्य
क्योंसोवतखोवै । पापपुंजहतियेततकाला । ह्वै
दयालुहरियेभ्रमजाला । याचतजोरिपानि क्षि
तिपाला । रटौनिरंतरश्रीयुतबाला ३३४ ॥ राग
धनाश्रीकत्तारवानी ॥ देबिकहाहेदेबिकहोजड़ क्षण
कलोकतजिचरणमिलोरे । शिवबिरंचिकृष्णादि
कगावैं । पगनसेइबांछितफलपावैं । हेकृतघ्नमैया
नहिंध्यावै । भूलिबुद्धिजगमेंमनलावै । धनिमनु
ष्यगिरिजापुरबासी । कहियमराजकरतउपहा
सी । भक्तिमुक्तिजिन्हकेगृहदासी । ह्वैअनन्य
काटोभ्रमफासी । ग्रामधामधनबिप्रनदीजे । ब्रत
जपयोगस्वच्छतनकीजे । करिसतसंगज्ञानरसपी
जे । दरशबेगिबालाकोलीजे । कासिरानिकरिये

नहिंदेरी । पाहिपाहितोकोमैंटेरी । शरणपाइका
कोअबहेरी । हैक्षितिपालआशअबतेरी ३३५ ॥
रागदेवनाट तालरूपक ॥ दूलहचारिकिशोरग्रंथबंधन
कियो । पुलकितदोउभूपालमगनसकलेहियो ।
भूषितमणिमैंमौरधनुषकरबीचलियो । पीतांबर
कटिफेंटश्यामसमलादिये ॥ जनकसुताकोदेखि
लजितभैमगनतिये । बरषैंसुमनसुरेशदेखिह
र्षितजिये । भजोमूढ़महरानिजगतवहरचितकि
ये । सुधारूपपगअम्बबालक्षितिपालपिये ३३६
लखुवरातछबिभीरमेघ ज्योंउमड़िचले । सीताहै
तहँइन्द्र भानुसमरामभले । नभक्षितिभैतहँपूरि
भीरछबियुगलमिली । देखिकामकोरूपनारिमनो
मिलनहिली । भूषितमुकुटविशालचापशरकरहि
लिये । जनकपूजिपगभालपीतकोतिलकदिये ।
तंदुलफेंकत बालपरस्परभूपभये । शोभितहैवह
जोरिमंडफतररामगये । भांवरिफिरतकिशोरसि
यागरकरहिधरे । कौतुकनारिचरित्रदेखिसबम
गनभरे । राजनकोदैमालअसनबहुभांतिधरी ।
गवतगीतपुकारिनामलैगारिझरी । कंकनछोरत
हारिगांठिनहिंनेकुखुलै । गजकोकैसेछोनिशीश

चढ़िआपुहुले। करिप्रणाममिथिलेशदीनह्वैबि नयकरी। कौशलधीसअशीशभीरहियप्रीतिभरी। बंशआपुक्षितिपालबेगिदेअसुरदली। अम्बचर णकीप्यासउदितकरुहृदयकली ३३७॥ रागपी लूतालकत्तारखानी॥ गौरिपुत्रगणपतिहैदाता। देहु भक्तित्रिभुवनजोमाता। शोकनाशसुखकरलकहा वत यातेलोगजपततुवताता। अरुणबेषबंदितदे वनसोमाथबिभूतिसुभगवहगाता। अंबदासक्षि तिपालज्ञानकरुसंकठमोचनबुद्धिबिधाता ३३८॥ प्राणहरोमोरारेयाबँसुरीवारा। तानफांसचित वनिउरबेधै बिकलकरीयशुदावारा। सुनोमातु क्षितिपालबिनयकोदरशसुधाबरसोधारा ३३९॥ रागगौरीतालकत्तारखानी॥ कहियोहोकुब्जाकीहाल। कटिशोभावाकीअतिनीकी देखिरूपमोह्योनँद लाल। ताकीसरिपहुंचतनहिंकोऊ श्यामबुन्द पोंछतहैं भाल। यहक्षितिपालअम्बपदमांगैबे गिदेहुछूटैभ्रमजाल ३४०॥ रागईमनमाफ़तालकत्ता रखानी॥ बनावतलालनश्यामरूप। पियप्यारी प्यारीपियशोभितलज्जितमनसिजभूप। मगन भईललितादिकबनिता श्यामचिबुककेकूप।

प्यासमेटुक्षितिपाल राधिकेदीजे चरणअनूप । ३४१ ॥ ईमनकीमांझकत्तारखानी ॥ लगावतलालन आपुइचोर । गेंदउछालपानिबरमेल्यो प्यारिनते बोलतमुखजोर । ललिताबिहँसिव्याजतेबोल्यो सांचिकहो सुनुनंदकिशोर । गईबातखोलतसया ननहिंनाहकहीतूनयनमरोर । करोपाररांधेमह रानी यहक्षितिपालकहावैतोर ३४२ ॥ रागईमन कल्यानकत्तारखानी ॥ सियपदध्याउत्यागुभ्रमसारा । कोटिनअघक्षणमेंमिटजावै छोड़बिषयशठहारा । हरिबिरंचिचरणनकोसेवैतूरचनाबिस्तारा । सुता जनकक्षितिपालनामलैतरोसिंधुभवपारा ३४३॥ रागदेशाख्यझपताला ॥ कबहुंतोद्रवहुगेमातमेरिजान की । तामरसपरसयुगचरणकी शरणतजिजाउँ कहँनेकुअवलम्बनहिंआनकी । घोरअघशूलसम तूल पावकप्रबलबदतश्रुतिबेदरुचिरुचिरगुणगा नकी । देखिसुनसमुझिनहिंमनतअज्ञानताकबहुं नहिंबढ़तमतिप्रीतिसरसानकी। चहतजबस्वांस तेरचतत्रयदेवकोसूरशशिआदिबसुजामलै ध्यान की । निगममुखसुनतमहिमाअमितद्योसनिशि तदपिआरूढ़चितपंथअभिमानकी । दहतदुखशो

कतिहुंलोकयशनामतुम्रकोक नददासगनसुखद
गनिभानुकी। करतमनुहारिकरजोरिक्षितिपाल
जनदेहुकरिकृपाहैंप्यासमोहिज्ञानकी ३४४॥
कबहुमोहिंमातुनिजदासकरिमानिहौ।घोरगंभीर
भवनीरनिधिपारकरि परसिममशीशपरपंकरुह
पानिहौ। सकलसाधनरहितसमुझिकरतूति
जो मोरसुखत्यागिमोरमलिनमनजानिहौ।
पतितपावनबिदितबेदबिरुदावली बिमलयशु
मातुजगकवनविधि।निहौ। यदपिमतिमन्द
कलिमलग्रसित मोहबशज्ञानगुणहीनअवगुणन
कीखानिहौ। तदपिनहिंशोचअघहरनतुवनाम
सुनिभुवनबिख्यातबरमुक्तिकीदानिहौ। कहतछ
लछांड़ितजिशरणतुवदूसरी आशबिश्वाससप
न्यहुनउरआनिहौ। देहुबरकमलपदप्रीतिक्षिति
पालकहँजननिजियमानिनिजबिरदकीकानिहौ।
३४५॥ रागभझौटीकितारखानी॥ बरदीजैबालेदास
को।हरिशंकरसेवैंपगतेरोमोहिंमातुअवआशको।
चरणसेइतेरोहेअम्बेकीन्होंभानुप्रकाशको। असुर
खंडदेवनपुकारसुनिदीन्होंपरमनिवासको। गुरु
बिरंचिनारदसनकादिकहरयोदेविभ्रमफांसको।

ह्वैकृपालक्षितिपालबालपैमेटुबेगियमत्रासको।
३४६ तनचेतोमैयानामको। भूलेहुजोकोउचरण
धरतहैदेतअचलसुखधामको। पावँरकीगणिना
कथाकीजैदीन्ह्योंगतिजिनश्यामको। जगपालन
समरथप्रभुकीन्हींदासकृपालखुरामको। सुपथमा
र्गधारोतुमहियतेछोड़मूढ़पथबामको। भजोबेगि
क्षितिपालअंबकोत्यागुस्वप्नजगकामको ३४७ सु
नुशठध्यानकरोप्रकटीमहरानी। ब्रह्मा बिष्णुअंत
नहिंपावतध्यानकरतमुनिज्ञानी। अतिबिचित्रशु
भथलवहशोभितदीपावलिदरशानी। चमरछत्रम
णिकलशबिराजितसिंहध्वजाफहरानी। जयज
यशब्ददेवसबभाषतभक्तिहेतप्रगटानी। कृपाकरो
क्षितिपालबालपैहेत्रिभुवनमहरानी ३४८ जोनर
ध्यानकरैमाईजगदम्बको। जन्मादिककोनाशहोत
हैसोईजानिभजोमूढ़माईकेकदमको। रामकृष्ण
सबभजततुहीकोयाहीतेपायोहै पदपरमअगम्म
को। महाकोपकरिअसुरसँहार्योदेवनदुखहरेव
लायेवनबिलंबको। शिवसनकादिअंतनहिंपावत
गावैचारिउवेदगुणारम्बको। बिनयसुनोक्षितिपाल
दासकीदीजैपदकमलभक्तिअचलअलंबको ३४९

अद्भुतलीलातेरीमाई। राजहिरंकरंकक्षितिपतिसो क्षणमेंदेतदेखाई। विधिकोलिखोमेटनोकेहैचाहै आपमिटाई। साखीवेदपुराणप्रकटहैसकलमुनी शनगाई। जापदकोसुरपतिनहिंपावैंताकोपावँर पाई। वहप्रतापनहिंअन्यदेखियतहरिहरचरित भुलाई। कृपाकोरजबहोइदासपरशंकरपुरीबसा ई। भलोबुरोक्षितिपालदासतुवअन्यकहांअबजा ई ३५० क्योंनहिंइच्छापूरणहोवै। बातबड़ी नहिंमातुआपकहँतुवतजिकाकोजोवै। मतिअनु- हारिदेखिसुनिबूझेउसकलशास्त्रबहुवारो। जगत त्यागिमुनिद्रवतदासपरवेगिमातुअवतारो। शं करपुरीनिवासप्यासममसोपूरणकरुमाई। कोहै समरथदेवदूसरोकाकेपहँअबजाई। दासआशपू- जितसबकीन्ह्योंकहँलोनामगनाऊं। रहोजातक्षि तिपालबालतुवचरणशरणअबपाऊं ३५१ कौ नतकाकोनिशिदिनध्यान। हेनिर्बुद्धिनेकुनहिं सूझैअजहुंचेतुत्यागुअज्ञान। जीवब्रह्मयकद्वैकरि मानतयथावारिबीचीपरमान। दृढ़बिरागलैरू पब्रह्मणीसकलशास्त्रमतिवेदपुराण। बिधिहरि हरकोउसेवैगावैगणपतिपूजिहियेमेंमान। रेम

तिमन्दबिचारिभूलतजि कहुंआवतहैगूंगोगान। वृथाकालकयोंभूलिगवांवै अवसरयहीचेतुनहिं आन। लैसमाधिक्षितिपालएककरु जोपैअन्त चहतकल्यान ३५२ कौनहैभावीमेटनवार। चाहैमनसन्तापबढ़ावैहोनीयानिवसैकर्तार। दुख कोऊस्वपनेहुनहिंचाहत भावीप्रबलदेतशिरभार। वृथामोहक्षितिपालजगतको चरणअम्बय करखेवनहार ३५३ जोमनचाहैसोनहिंपावै। ज्यों ज्योंतृष्णासुखहिबिचारत त्योंत्योंदुखदरशावै। बलिचाह्योबैकुण्ठबासको पलटिपतालहिजावै। भोरतिलकअभिषेकरामको मातावननहिंपठावै। शम्भुशम्भुपहँआपुआइके कोटिनबिधिसमुझावै। नासूझैनहिंभावीप्रेरित दानवकुलहिनशावै। चाह्योकंसकूरआपहिकोकालनिकटनहिंआवै। क्षण मेंभयोऔरकीऔरैनाहकतर्कबढ़ावै। कालकर्मगतिअलखअगोचरस्वप्नमोहमनधावै। लिखाअंग क्षितिपालटरैनहिं मिथ्यामनभरमावै ३५४ रे धृगतृष्णेमोहिंखिझावै। अरेमूढ़पीछानहिंछांड़त क्षणक्षणअधिकबढ़ावै। कोटिउपायपतोहिंसमुझायों तापैनयनदेखावै। लैप्रतापक्षितिपालको

पलमेंतोहिंमिटावै ३५५ आजुछबिराधाचारुब
नीरे। गोलकपोचन्द्रमुखकोद्युतितापरभौहैंकम
नीरे। सारीनीलमालमोतिनकोकंचुकिसुभगतनी
रे। राजितरेखसेंदूरमांगबिच बेंदीनागफनीरे।
मेहदीबुन्दहाथमेंभूषित शोभाअधिकघनीरे। सुव
आशाक्षितिपालआलको त्रिभुवनपतिरमनीरे।
३५६ सुधिभूलीटेरनिरातिकी। स्वपनेहुलालन
सुरतिकरतहैं ब्रजबनिताकुलजातिकी। बछरन
मिसुप्यारीबनढूंढ़त शोचतजीवघातकी। तजि
रानीदासीगृहनिविशित मोहबढ़ीवहघातकी।
शतशतबारचरणधरिबोलत हरिसँवरतवहबात
की। मेघकबहुंनहिंसुरतिहैरटतरहैनितचातकी।
हमतोचहतप्राणनिकसनकोपैनकढ़ैंजियपातकी।
बिनवतयहक्षितिपालराधिकेबेगिभक्तिदेमातुकी।
३५७ छबिदेखोप्यारीलालकी। कचकुण्डलबिहँ
सनिभ्रूफेरनिदेखुलटकयहचालकी। नीलशृंगपै
गङ्गधारहैछबिअनूपगरमालकी। धुनिमृदङ्गमुरली
कीटेरनिसुभगनाट्यगतितालकी। प्रेमबद्धगोपि
नसँगबिहरत धन्यभाग्यब्रजबालकी। दरशदेवि
क्षितिपालसिद्धिकरु मिटैबेगिडरकालकी ३५८

श्यामछबिदेखतमोहीबाल। तिरछीत्योरमनहुंश
रशाल। लकुटबेणुपीताम्बरसोहत मोरमुकुटभू
षितबनमाल। सुनोचित्तदेबिनयहमारीभरोअंक
बिचहेनँदलाल। जगतशरणगोलोकबिहारीपूंछ
तफिरततियनसोंहाल। ध्यानअंबक्षितिपालबुद्धि
देमिटैमोहअरुभ्रमजगजाल ३५९ प्रीतियुतबिह
रैराधालाल। गावतमधुरसुभगदैताल। प्यारीसु
रँगश्यामपीतांबरबस्त्रचारुराजितमणिमाल। रूप
देखिचतुराननमोहैमोहैदेखिजोरिसुरबाल। ज्ञान
देहुक्षितिपालकृष्णजूचरणअम्बनितनावोंभाल।
३६० गावतमोहिलाजुरिआईरी। सदनसदनअति
मगननारिनरबाजततालबधाईरी। सकलनगर
लालनकोदेखैप्रकटचन्द्रद्युतिछाईरी। ध्वजपताक
चहुंतरफ़दीपमैबंदनवारसुहाईरी। लखिस्वरूप
मनसिजमुरारिकोलज्जितमनहिंपराईरी। महरि
सुखदबालकविलोकिकैभरतगोदउरलाईरी। य
शपुकारिद्विजगणअशीसदैरटतचहूंनिधिपाईरी।
दामोदरक्षितिपालबालको देहुचरणश्रीमाईरी
३६१॥ रागपहाड़ीझंझोटीधीमातिताला॥ शठमोहेरेसु
धिकरोसुपथधरी। गाजतपासयमदूतमिटीबुधि

सिगरी । ताड़नदेतधरिकालवाजड़सुखबिसरी । पावतनहिंतुवपारवायहजगसकरी३६२॥ रागगारा झंझोटीकत्तारखानी ॥दधिशिरलियेब्याजतेहेरै । ललिताचरितदेखियोंबोलीयहबिकातनागरिनँदखेरै । सुनतशब्दप्यारीहर्षितमनबजिबावरिडोलतमुखफेरै। रसगाहकप्यारोयदुनन्दनजैयेनाजानतिगृहनेरे । चलुमिलिचलैंआजुयशुमतिपैनहिंकीजैअबबेरै । चरणादेविक्षितिपालकृष्णादेआशएकअबतेरै। ३६३ ॥ रागझंझोटीकत्तारखानी ॥ कोऊअननारीकुंवरकोबेलमायो । ललिताधामदेखितूप्यारीप्रकटरूपनहिंताहिदेखायो। आयसुमानिगईताकेगृहबहुप्रकारसोरूपदुरायो । औचकदीठगईपरतियकीसकुचश्यामतवशीशनवायो।लखिचरित्रक्षितिपालमगनमनसमुझिसोदशामोदउरछायो ३६४ ॥ रागगाराझंझोटीकच्चौहोरीताल ॥ गावैंआयबधाई । नंदसदनबिचबालप्रगटभोत्रिभुवनसुखदाई । देतअशीसनारिगोकुलकीबलिबलिमैंजाई । बिबिधिभांतिअबदानदेतभेविप्रनसमुदाई । झँगुलीपीतश्यामतनसोहैरूपराशिछबिछाई । छठिआवतलालनकोमातादेखनसबआईं । घनिधनितुमहोमहरिय

शोमतिजिनयहसुतजाई । बेलाअबक्षितिपालबा
लकीचरणमातुपाई ३६५ देखोमाईकन्हाई ।
केलिकरतगोपीजलभीतर तबइनचीरचुराई ।
डरनहिंनगरबातनहिंभाषत झूठहिदोषलगाई ।
धनिमानोअपनेकोमोहनब्रजपतिआयकहाई ।का
रोअंगकामरीकारीगोरितियाभलपाई । देविशर
णक्षितिपालदेहुअब श्यामचरणशिरनाई ३६६ ॥
रागगारातालकत्तारखानी ॥ अजहूंनहिंमूरुखचेतकरै ।
तेरेअघभूलेहुनहिंदेखतनिशिदिनक्षोभभरै । हा
रिलकैसीमोहलकरियादृढ़करअन्धधरै । सूझैगी
सबअंतकालजबयमगणफांसपरै । यहपरपंच
जगतकोदेखततदपिननेकुडरै । परेखाटयुवतीत
नहेरतढूंढ़तअबहुंमरै । गुरुउपदेशबेदबुधमारगक
बहुंनहींबिगरै । छोड़िभूलक्षितिपालअम्बभजुतौ
भवसिंधुतरै ३६७ ॥ रागगाराभझोटीकत्तारखानी ॥
चलियेरीदेखैगोपालै । मुकुटचारुमुरलीपीताम्बर
श्यामरूपशोभितनँदलालै । निकटजाइप्यारी
सबदेख्योहँस्योमोहझूमतबेहालै । सुरतदेहुश्या
मलजूसुनियेगोरिचरणप्यासाक्षितिपालै ३६८
रागगाराकत्तारखानी ॥सन्मुखहोतूअम्बशरणमें चौदह

भुवनचराचरबंदितशिवबिरञ्चिलैंवहीचरणमें । प्रियशरीरतेऔरकाहहैसोऊतौधरिजावै । माया शत्रुफांसिरह्योतोकोअन्तपापफलपावै । पृथुदधीचरघुआदिभूमिपतिचलतनारकापाई । कामेंतू पावरगिनतीहैअजोसुमतिनहिंआई । नेतिनेति कहिबेदबखानतअन्तएकमहरानी । हेक्षितिपाल त्रासनहिंआवैभूलिहोतअभिमानी ३६९ पहिले नहिंचेतोभूलिरहे । अबतोकालप्रणालक्किदेखत क्षणमेंचहतगहे । यहममताकाकौनबिगार्योबड़े योगब्रतधारी । कौशिकगुरुबसिष्टगरफांसोपेखु आपनीपारी । आधीदेहनारिसबभापेरहतअधिक अनुरागी । निकसतश्वासनेहहियहरिगेभूतभूत कहिभागी । काकोकौनसंगकोकाकेअपनेस्वारथ फांसी । दृढ़अनन्यक्षितिपालअज्ञभजुनगरनेवासी कासी ३७० जोकोउअम्बचरणचितलावै । सोत्रय तापनसाइक्षणकमेंअन्तरूपमिलिजावै । जोगतिह रिबिरंचिशिवदुर्लभसमुझिमनहिंसकुचावैसोजड़ अधमअघीअपराधीदासकहावतपावै । यद्यपिसुन तगुणतनिशिबासरसबसमुझैसमुझावै । तदपिबि षयबसिफिरतमोहरतमनसंतोषनआवै । भूलिग

योभूलतनितअवसरअन्यदेवजोगावै। धन्यधन्य
क्षितिपालअम्बपदजोहियबीचबसावै ३७१॥
रागकाफ़ीतालकव्वोहोरी॥ जननीतेहरिकोपकरोरी।
मोयहतेअबबेगिटरोरी। बलदाऊतोकोअतिभावै
वाहीकोतुवगोदभरोरी। यशुमतिछोहकरतसमु
झावतझूठग्वालकोउआइकहोरी। बलभद्रहिको
दूधपियावतमोहिकहततुमघरहिचलोरी। सुत
वहनहिंकछुहैमोरेप्यारोबचनसुनतमैंबहुतडरोरी
भक्तिमातुक्षितिपालदेहुबरआशाकरिमैंचरणधरो
री ३७२॥ रागबहारतालकत्तारखानी॥ चंडीकेचरण
रतवहीएकतरैगो। औरकेभरोसेबड़ोफेरफारपरै
गो। कहोंसमुझायजोपैहितमानिकरैगो। गोपद
ज्योंभवनिधिकेपारपाउंधरैगो। पाहनकीलीक
जानुकालप्राणहरैगो। बेगिहोसचेतनहींहारद्वा
ररैगो। बूझिकैअबूझिहोतकैसेकाजसरैगो।
अम्बकीशरणक्षितिपालदुखटरैगो ३७३॥
रागईमनबिभासकत्तारखानी॥ धाइधाइप्यारोगहै माई
गरमेरो। जोईनहिंभावैमोको वहीहठप्यारो
पियतोचहतरसअधरचाखनकोमोको। तोलगत
वहजैसोदुखभारो कुचभुजमेल्योप्यारोदशनछत

नदयोऐसोनिर्दयबाबानंदजूकोबारो। छोड़तनक्ष
णभरिकहोनहिं मानतवहसहोकैसेजावैदुखमथो
गरहारो। जैसोतनतैसोमननामहूवैसहीपायोअ
धरबिराजैवाकेबन्शीरूपकारो। फेरेमुखैहँसैस
खीमधुरबचनसुनिहियक्षितिपाल मोदतनमनवा
रो ३७४॥ रागबहारकत्तारखानी॥ मेरेतौउसीलोबड़ो
वहमहमायको। औरकोपरेखोकौनभलोवारआ
यको। तजिसुरसरिनीरसहितअन्हायको। करमीं
जिअंतबारमूढ़पछितायको। तीनिलोकक्षणमेंकहो
उपजायको। जीवपशुपक्षीजलथलप्रकटायको।
जितदेखोतितवहीविरदरशायको। काकोक्षिति
पालभजैदूजोकहीआयको ३७५॥ रागमलारताल
तिलवाड़ा॥ बीथिनतेदोउभीजतआवत। पीताम्बर
प्यारीशिरडारतमोहिततानमधुरसुरगावत। बुंद
जालछबिघटामेघद्युति कालपाइहरिकंठलगाव
त। युगलचरणक्षितिपालआशहैज्योंचातकपिय
पियरटलावत ६७६ आजुचलोरीदोऊसाथ। च
न्द्रकलाचन्द्रावलिप्यारी खेलतश्यामलपटिगर
गाथ। पटबढ़ाइप्यारोमुखपोछैधन्यभाग्यजिनके
बशिनाथ। देहुश्यामक्षितिपालमातुकोचरणक

मलंडारोमममाथ ३७७॥ रागसोरठामलारीकत्तारखानो॥ उनयेनभश्यामघटाकोरे । बिजुरीचहुंवोरछटा कोरे। नीलबसनप्यारीतनशोभित लालनपीत पटाकोरे । भुजमेलतबिहरतदोउहँसिहँसितिर छोभौंहमटाकोरे । रूपदेखिक्षितिपालधन्यक्षै युगपदकमलतटाकोरे ३७८ झुकिआयेमेघछ बिछाईरे । दामिनिदमकैचहुंधाईरे । श्यामा लालप्रीतियुतखेलतअतिहुलाससुखदाईरे । दे खिदेखिवहमुखकोबिहँसत नरनारीसमुदाईरे । अम्बध्यानक्षितिपालकृष्णदे धनिधनिमैंबलिजा ईरे ३७६ ॥ रागदेशकत्तारखानो॥ छबिश्यामसलो नेहियखटकै । मोरनिभौंहटेरनिमुरलीकीफरक निअनरमनहिंअटकै। फहरनिबसनदसनदमक निंचुतिबिहरनिचालुगोपिमटकै । शरणएकक्षि तिपालराधिकमूरुखदेखुकहांभटकै ३८० बिन तीसुनियेबेगिहीजीवनसुखदाई । जाकोसुरपति चरणधरिनितकरतबड़ाई । बालकहठप्रियमातु कोयहप्रकटदेखाई । त्रिभुवनसुततेरोबिदितकैसे बिसराई । नीकोहोअथवाबुरोतुवदासकहाई । अघमउधारनिनामकयोंश्रुतिप्रकटबताई । बूझि

परैनहिंनेकहुदेखतनिठुराई। करुकरुणाक्षिति पालपैजयजयश्रीमाई ३८१ झुकिआईरयनिअँधेरी रे। नहिंलालकोतुवहेरीरे। गरजतमेघरटत दादुरदिशि मारसेनचढ़िघेरीरे। देहुमातुक्षिति पालदासको ज्ञानविषयमतिमेरीरे ३८२ सुनियतईशमोक्षवरदानी। यातेदुर्लभऔरकाहहैक्यों बिनतोनहिंमानी। आकधतूरबेलकेअर्चे भयोमुनीश्वरज्ञानी। देनिवासक्षितिपालशम्भुपुर भक्ति एकमहरानी ३८३ सुनुरेमूढ़बासकरुकाशी। बनोआपनेहाथगँवावत डारिगरेभ्रमफाँसी। जाकोतुमनीकोकरिजानत होतचहूंउपहासी। यह ममतालखुचारिदिनाको क्षणक्षणहोतहुलासी। यहसुखजगकोदृढ़करिजानो भोगयथाबनितासी। करौचेतक्षितिपालअम्बभजु सोतीरथअबिनाशी ३८४ ॥ रागसेंदूरातालकत्तारखानी ॥ मनचकईचलुचरणसरोवरवहांनिशानहिंहोही। ज्ञानहंसमानि पूजकतहँ तपसीकमलफुलानी। दानीजनमुक्ता वहसरमें बिषयफाँसकितमोही। वहतड़ागनहिं मरैजाइजे।मित्रबिछोहनजानी। अन्तकालचरण नमिलिजावै ध्यानकरोतुवजोही। तृषामिटैतूगो

रीदर्शनसो तुरतैमोहनशाई । पानकरीक्षितिपा
लनीरयह टेरतमाइजोतोही ३८५ ॥ रागदेशईमन
तिलवाड़ा ॥ पिकमोरशोरबनआजभई । राधालैमो
हनकुंजगई । बलिबलिबयनकहतभामिनिसब
रतिरतिपतिछबिछीनलई । कोलाहलबालकठौर
ठौरघनिधनिजियतोअबमोहिलई । मुदितहोतक्षि
तिपालबालसबदेखिचकितशोभासोनई ३८६ ॥
रागसोरठतालकत्तारखानी ॥ बिनयबेगिसुनियेमहरानी।
करनिभरनिवाहरनिमातुतू बिदितवेदयहबानी ।
यहसंकटनाशनिसमर्थकोदेवनदुःखसदातुवटारी।
वहकृपागतजिदियोमातुजू रावणमहाशीशहति
डारी । शांगपाशभूलेहुनहिंधारत जासोंमहिषा
सुरकोमार्यो । तज्योबाणधनुषाकरालको असुर
यूथजोक्षणमेंजार्यो । डारिदियोकरतेत्रिशूलको
रक्तबीजजोखाकमिलाई । रहीआशक्षितिपालच
रणकी त्यागितोहिंकाकेपहँजाई ३८७॥ रागसो
रठाकत्तारखानी ॥ भाललिखाजगदम्बको तिलहूनट
रैगो । मतिहीनोअभिमानतोकछुकरमहरैगो । बि
धिहरिहरएकश्वासते कहुकाहकरैगो । गणपति
हूतनमेंलसोउपकारकरैगो । जोचहुंओरचितैतू

फूलतअन्तबेरनहिंएकमिलैगो। होनीजोसोलि
खगईकाफेरिलिखैगो। हवैअनन्यक्षितिपाल
ध्यानकरुजोचाहैजगदम्बकरैगो ३८८॥ रागसो
रठअक्तारखानी॥ महामाइराखिलेप्रणामोरा। संकट
मोचननामतिहारोक्योंबिदितचहुंओरा। ब्रह्म
इन्द्रमुरारिदेवनकोहैतुहीलोंदोरा। आपकोपद
कमलभजिकैलखोंअवरदृगकोरा। कारणतूस
बकीमहरानीकौनबातकोथोरा। सदामानदा
सनकोतूराख्योलाजराखुयहिठौरा। पापीम
हापतितअपराधीतुहीचरणलगिओरा। राखु
टेकक्षितिपालबालकीहोइचहूंदिशिशोरा ३८९
ध्यानकियेतुवचरणकोदुखगयोनकाको। साक्षी
वेदमुनीशहैंतिहुंलोकमेंयाको। दानवत्रासदेव
सबडोलततबहिंचरणतकिताको। सुनतपुकार
आपुउठिधाईहत्योशीशशुम्भाको। जोरावणमु
खवेदसारकियोराजचहूंबसुधाको। भयोबिमु
खजबहीवहपापीनाशभयोलंकाको। जबजब
ग्लानिधर्मपैआवततबहिकृपाकरिझाको। लै
कृपाणक्षितिपालशोकहरुहोइअम्बतुवशाको।
३९० यहसंकटकहुकवनउबारै। तेंतिसकोटिदे

वत्रादिको ताहूकोतोआपुहितारै । हौंअघभरो अज्ञबालकतुव बूझिततोहिंउघारै । परोमातुक्षि तिपालचरणपै यहबिनतीनहिंटारै ३६१ मेरो मनमोह्योप्यारोयमुनातीर । सुनोसखीअबमोहिं देखावो मिटैतपनिहियपीर । ऐसोनहिंचहियेति यतोको राखुहृदयबिचधीर । भक्तिमातुक्षितिपाल प्यासहै ज्योंपपीहरटनीर ३६२ प्यारीरेइनस खियनहरिबेलुभाई । सौहँकरतललितामुखऊपर श्यामबसतनिशिवाकेजाई । ललितासहितकान्ह धरिलावोदेखैंगोकोकरतसहाई । ज्ञानदेहुक्षिति पालबालको सुयशसुन्दरीदिनप्रतिगाई ३६३ तोपैबशिभयोप्यारोनवलकिशोर । मानछोड़िच लियेब्रजरानी बनबिकासबोलैअतिमोर । सुनो बिनयक्षितिपालराधिके पादकमलपूजोंकरजोर ३६४ बेगिकहुजनकशरासनकहांधरो । कौनहैम हीमेंगुरुधनुषबिलोकनवारो । क्षत्रिनबिहीनक्षिति क्षीरलोबिदितकरो । गाज्योमृगराजज्योंसमहग जराजनिपै मौनतामहीपत्राशमानिकैसबैलई । माखैसुनिलषणबचनभृगुनाथजूकोफरकतबाँहमु खनयनभईअरुणई । जानेजगलोकद्विजराजराम

यशआपुनीरताबिदितआपआपनीभलीकही। येरेनृपबालकबदनमृदुबानीकटु कालहूकोकालया कुठारबाहुजनदही। बहुरिबिलोकिमुसुकाइकैलषणकह्योमुनिनाथ जीरणशरासनद्विखण्डभो। काकेशिरधारोमहाघोरयाकुठारधार काट्योजोसहस्त्रबाहु प्रबलप्रचण्डभो। बोलेमुनिकौशिकसोंनेकुभृगुनाथसुनो। क्षमोअपराधनृपबालकअयानता। तारीतियागौतमसुबाहुताडुकाहूहन्यो कीन्हीसिद्धिजागमेरीदेखियेसयानता।चरणलगायेरामकोसमेत बंधुदीन्हेंकरधनुषसोंपणचसुधारिदिये। दीन्हाहैअशीषक्षितिपालभृगुनाथचलेजयजयमिथिलेशपुरपूरितबचनभये ३६५ कौनहनैमेरेशोकको सुनुअनिलपियारे॥ कारणतुहीपांडुकुलजीतेक्रोधतनुकदशकण्ठबिदारे। पैठिपतालतेरियमकातरिमहिरावणकोआपुसंहारे। रामबन्धुयुतल्याइसैनमेंबहुप्रकारसोंनाथसुनाथसुधारे। जोइककहोकालअतिदुस्तरतुलसिआदितारेकलिमेंतारे। हैसभीतक्षितिपालद्वारपै त्राहित्राहि हनुमानपुकारे ३६६ कौनसुनैमेरीआशकोअति बिकलपुकारी। नहिंसूझतकहुंठौरदानितजिज्यों

अतिदीनभिषारी। अतुलितमहापराक्रमप्रभुमेंदा
नवप्रबलप्रहारी। शोकहरणबैकुंठधामपतिसेवक
जनकदुलारी। जामुखसियाशब्दभूलेहुसोसहैना
थदुखभारी। याप्रतापबलिभूलिगयोहैधौंकलि
सोकछुहारी। हंसबंशअरुदासअज्ञहौनातोबहुत
बिचारी। भलोबुरोक्षितिपालदाससियबूझततो
हिंउबारी ३६७ नहिंसूझतहैठाउंकहुहोंशरणगु
सांई। आरतबिनतीनहिंसुनैकैसीप्रभुताई। पलि
वोप्रभुकोधर्महैतोहोतबड़ाई। तातेतुवअबकानदैत
जियेनिठुराई। संकटमोचननामतुयहबेदबताई।
मेरोसंकटआपुकोअतिदुसहदेखाई। हांकसुनतद
शकंठहूअतिबिकलडेराई। भोरसमयप्रतिदेवस
हूदिनकरसकुचाई। ऐसोप्रभुक्षितिपालकोदुखना
हिंपराई। उचितहोइसोकीजिये त्रिभुवनसुखदा
ई ३६८ मौनभयेहनुमन्तजू तजिकेहिपहँजाई।
तेरेनाशेनहिंनशै दुखहूमदपाई। पूरुबकीतजि
रीतियह प्रभुकबहिचलाई। दासनकोदुखमीचु
सोगलफाँसबँधाई। सेवकश्रीसियचरणके सप
न्यहुदुखपाई। मेरीबेलाभयोक्याऐसीनिठुराई।
पीछूप्रभुपछिताइहौ नहिंबेगिबनाई। बिनतीसु

निक्षितिपालकी सबदुरितमिटाई ३९९ जाकेके
बलआशहै हनुमन्तबीरकी। ताकोभूलेहुत्रासन
हिंत्रयतापपीरकी। यद्यपिहैकलिशीशपै प्रभुता
दर्शाये। सपन्यहुन हिंडरजीवको हनुमतगुणगा
ये। योगसमाधिध्यानसेजोफलसो यकबारपु
कारे। कोटिनआरतबिकलभीतबश क्षणमेंलेत
उबारे। दीनबन्धुदुखदलनआनको दृढ़करिनि
श्चयजानो। गहोपादक्षितिपालनाथको तुरत
शोकदुखभानो ४०० ॥ रागजाजवन्तीधीमातिताला ॥
महरधामयकयोगीआयो। डमरूशब्दसुनायो।
जटाजूटशिरगंगबिराजत भालचन्द्रअतिभायो।
बोलसुनतमोहनमचलायो रुकतनदुग्धपियायो।
गोदउठायद्वारदिखरायो यशुमतिशीशनवायो।
प्रणवप्रणवकहि भरयोअंकमें चूमिबदनदुलरा
यो। महामन्त्रकाननबिचदीन्हों अधिककान्ह
बिहँसायो। बड़ीभाग्यतुवसुनोमहरिजीजिनय
हसुतउपजायो। पलटिचलेक्षितिपालस्वामितब
शम्भूनामजतायो ४०१ ॥ रागकलांगड़ाकत्तारखानी ॥
भजोरेमनदेविचरणयशगीत। सकलदेवनोंवै
मुखतेरोहोयनामयमजीत। शरणवहीक्षिति

पालबाललैत्यागिकुटिलजगमीत ४०२ चलो रीसखीश्यामआयेतुवतीर। चरणलागुसुनुरीयह मेरीमेटुहृदयकीपीर। चंडिचरणक्षितिपालप्यास हैदेहुलालहेनीर ४०३ रागसोहनीकत्तारखानी ॥ आजुहरिआपुहीगेप्रियधाम। अन्यनारितोसेनहिं प्यारीसत्यबचनमानेसिमेरीबाम। त्रिभुवनकी छबितोपरवारों आनसखीतेनहिंमोहिंकाम। जाउचलेझूठीनहिंबोलोभलजानतहमतुमकोश्याम। छलहुजायचन्द्रावलिकोअब छांड़हुगकैसेहुमोहिं राम। कौनग्रामवहबसतनागरीसुनोनहींमैंवाको नाम। जिनुगुणमालछापबदनकोवहीप्यारिजिन दीन्होंदाम। चरणआशक्षितिपालचण्डिका देहु निरन्तरआठौयाम४०४॥ रागसारंगसोरठकत्तारखानी॥ महारानिअम्बपदध्याइये। निशिदिनबिधिज्यहि ध्यानलगावैं नातजिअनतलुभाइये। जापदकोह रिहरकरजोरैं महिमाशेषनपाइये। जाकीकृपाने कुभृकुटीसों भानुचन्द्रदरशाइये। जबहिदुःखदेव नपैआवत तबतबवहीमचाइये। सकलआदिका रणसबकीवह बेदमुनीशनगाइये। यातेमूढ़और कोजगमें कहिक्षितिपालबताइये। तजिपदपावन

प्रीतिपरशमणिगुंजालखिलललचाइये ४०५ ॥
दोहा ॥ चरितसुकीरतिनन्दिनी रसिकशिरोमणि
श्याम। होरीमिसुबर्णनकरौंसुखदश्रवनबिश्राम॥
४०६ ॥ अथप्रकरणहोरीलिख्यते घनाश्रीतालकच्चीहोरी ॥
प्रकटआजुऋतुराजदेखिकैंशोभाबेलिभई। चहूं
ओरपिकजोरशोरअति फूलीलतानई। कीरचको
रशारिकाकूकतमानहुमोहिलई। भौंरभीरक्षिति
पालचहूं दिशि गूंजतमगनभई ४०७ ॥ रागधना
श्रीमुलतानीतालयथा ॥ श्यामाश्यामफागुमिलिखेलैं
गोपनगोपिनसुखदभई। लैकरकमलकनकपिच
कारीमोहनप्रियअँगरंगदई। प्यारीकरलैकनक
गागरीकीन्ह्योहरितनरंगमई। सखिनसमाजसं
गलैनागरिघेरिलालकोपकरिलई। पहिराईचुनि
सुरँगचूंदरीसजिशृँगारकरिनारिनई। चलीलेवाइ
सबैकरधरिकैंनन्दमहरकेद्वारगई। कहिक्षिति
पालकान्ह हँसिबोल्यो छांड़िदेहु मतिकरहुखई
४०८ ॥ रागपीलूतालयथा ॥ याब्रजराजकुवँरकोपाइ
मैंतोआजुइमनकिमिटाऊंगी। कटिघांघरिपहिरा
यलालको चूनरिचारुउढ़ाऊंगी। मोतिनमांगशी
शबिचबेंदी नकबेसरिपहिराऊंगी। गोकुलकीब

नितासबमिलिकै दैदैतालनचाऊंगी । कहिक्षिति
पालल्याययशुमतिपैघूंघुटटारिदेखाऊंगी४०६॥
रागकाफ़ीतालयथा ॥ सुनियेब्रजराजहमारी । ऐसीरी
तिनहींहोरीकी जैसीफागकियारी । डफबजायम
धुरेस्वरगावोबोलोबातपियारी नहींचलजाततिं
यारी । कौनग्रामतुमबसतनबेली हैयहबातनिया
री । घसिघमारियुवतिनकरिडारी लालनबचन
दियारी घेरिसबसखिनलियारी । भैझकोरचहुं
ओरजोरसोबिहँसतसकलजियारी । कहिपुकारि
क्षितिपालत्यागसबमोहितमोरहियारी ध्यानगौ
रीकोप्रियारी ४१० ॥ रागतालयथा ॥ देखौअबश्या
मतुम्हारी । केसरिकोपिचकातुमभारत खींचतची
रहमारी । छीनौंलकुटबांसुरीपटुकाकीन्ह्योंसम
सकारी दांवअबमोरसँभारी । दौरिग्वालतियको
धरिलीन्होंतूसबभांतिलवारी । एकनारिबलबी
रपकरिलयेविहँसीदेखिकुमारी तुरततेआपसिधा
री । बीचकरीभामिनिसयानिकोउ लालनअंगखु
भारी । कहिक्षितिपालयाचनातुमते बिनतीकुंवर
तिहारी शक्तिहियबीचपधारी ४११ हरिसोंमैं
धूममचाऊं । सारीबांधिमाथरोरीदै अंजननयन

लगाऊं। बेंदीभालमालमोतीगर भामिनिरूपब
नाऊं कान्हतेचरणधराऊं। गारीदेतद्वारघेरोजो
सोसबकसरिमिटाऊं। बांधौंश्यामश्राजुमेरोप्रण
गोपनभीरभगाऊं लालकोनाचनचाऊं। ढोटाळ
लीराममैंजानों देखतपकरिलयाऊं। साजेनारि
बेषताहूकोबीथिनबीचफिराऊं राधिकहियुगलदे
खाऊं। हारेबिनुजानेनहिंपैहैंकहलोंबातगनाऊं।
फागुदेखिक्षितिपालकृष्णजू चरणनशीशनवाऊं
ध्यानगौरीपदपाऊं ४१२ श्यामतेचलिफागुमचा
ऊं। मांगसेंदूरकानमेंकुण्डलचूनरिसुरखउढ़ाऊं।
कटिकिंकिणिनूपुरपगपायल कञ्चुकिश्रँगपहिरा
ऊं मुरलिलैआपबजाऊं। पकरिचीरगठजोरिदो
हूकोंहियकीतापबुझाऊं। बनितारूपग्वालकरि
डारोंराधहिमगनकराऊं सबनतेचरणछुवाऊं।भो
रश्रायगारीबनदीन्हो वहसबदरदमिटाऊं।श्या
माजीतिकहैसबमिलिकै तबतौबन्दिछुड़ाऊं नहिं
लैमहरिदेखाऊं। लखिधमारिक्षितिपालराधिके
बिनतीश्राशसुनाऊं।रटोश्रहरनिशितुहीचरणको
शुभयशगाइबताऊं जगतनदपारलगाऊं ४१३
लालजोश्रबमोहिंबिसारी। हूलहियेमेंउठतमोह

कीबिह्वलदशाहमारी। सुनिपिकवचनजरैतन
क्षणाक्षणामनसिजशरहिसुधारी सुरतिजबहोइपि
यारी। द्वारआइदेखौंनहिंकोऊ कहिकहौंदरदपु
कारी। रहिरहिउठतव्यथानिबिरहकी पियबिनु
सेजनिहारीपीरनहिंजातसँभारी। नीरबिहीनमी
नगतिजैसेत्योहींकहोदुखभारी।आवनआशआश
हैतनमेंदेहुदरशबनवारी बिनयक्षितिपालहमारी
४१४ कान्हजीआजुफागुमचाई।खड़ेरहेनारीय
हबोलैयदुपतिसखनबोलाई। फेकैंरंगदोऊमिलि
गावैंसुरपतिनिरखिलेभाईधनिधनिछैलकन्हाई।
राधागहीश्यामकोपटुकायुवतिनबसनछिनाई। ग
ह्योबीरललिताकोसारी मुखमलिउरहिलगाई कुं
वरकोतुरतछुड़ाई। महाराजबिनतीयहमेरी हिय
बिचगौरिबसाई। हैक्षितिपालप्यासचातृकज्यों
बेगिहितृषामिटाई जगतनदपारकराई ४१५आ
जुचलुश्यामलघेरिधरी। बेंदीभालधारिकंचुकिउ
र छीनोमुकुटछरी। बीरीदशनमांगरोरीभरिदुल
हीरूपकरी। मिलैमोहिंक्षितिपालश्यामजूकाली
चरणतरी ४१६ सजिहोरीखेलतश्यामलली।
डफसितारमुरचंगभेरिलैगावतगीतभली। छल्यो

छैलनारीसमूहकोसारीपकरिमली। महारानिक्षि
तिपालध्यानदे सुनियेकान्हछली ४१७ ॥ रागभ
भ्भोटीकत्तारखानी ॥ होलियाआजमचाऊं ब्रजराज
सों। ऐसीखेलौंवारनहिंपावैं करिछलछन्दसमा
जसों। लेहौंछीनिपीतपटमुरलीनवलरसिकाशिर
ताजसों। गहोंश्यामश्यामापगडारोंकरौंसकोचि
तलाजसों। गहिक्षितिपालअर्जमेरीयहमेरोत्रिभु
वनपतिमहराजसों४१८॥रागसिंधुभ्भोटीकत्तारखानी॥
आजुहरिराधाफागुभई। ग्वालिनिग्वालरूपअ
तिनीकोरतिमनसिजकोजीतिलई। परैरंगमेघवा
बरसैज्योंगोकुलकौगोअरुणामई। श्यामाघेरिकृ
ष्णधरिलीन्हों बनितासोकरिरूपठई। सुनोराम
दुलहीयहलीजै निजभगनीअबमोहिंदई। आय
बीरसारीमलिडारीहँसीबालमुखमोरिगई। देरा
धेक्षितिपालबालको होवैनितप्रतिभक्तिनई४१९
रागईमनअलहियातालकव्वीहोरी ॥ मनमोहनपहँबेगिच
लोरी। आजुरचीब्रजमेंयहहोरी। जेहिसुखकोसु
रमुनिनहिंपावतसोसुखबहतइहांसजखोरी। बर्ष
तसुमनदेवगणऊपरधनिधनिराधाश्यामबनोरी।
लैगुलालरँगकीपिचकारी फेंकतलालसघनकोओ

री। बिनयसुनोक्षितिपालकृष्णजू रतराधाचरण नमतिमोरी ४२० गावतकृष्णबेणुमेंहोरी। नाम लेतमेरोसुनगोरी। मैंवाकोकबहूंनहिंदेख्योनाह कललीलगावतचोरी। महाराजब्रजकेतुमजानो नहिंमोकहँकरिहैवैजोरी। दयाकरोक्षितिपाल अज्ञपै अम्बध्यानकीकरुमतिमोरी ४२१ यदुन न्दनयहरूपधरोरी। देखनसबसखिआजुचलो री। श्यामालाललालभयेश्यामा बड़ोभाग्य ज्यहिदरशभयोरी। देखिमुदितब्रजकेसबबासी अतिबिचित्रशुभफागरचोरी। द्वारद्वारप्रतिधूम मचावतमनहरिलेतलगायठगोरी। देखिदेखि क्षितिपालमगनमन चिरजीवीअबिचलयहजोरी ४२२॥ रागअड़ानात्तालबहारजति॥ तूनहिंभाजोमोतु वश्यामसोहछला। तनअबलासोमनप्रबलासीर चनासहसकला। घेरिजोपैहौंछांड़िनदेहौंभोरहि तोहिंमला ४२३॥ रागईमनझफोटीतालकच्चीहोरी॥ भलोरूपबनाईरीराधामोहीश्यामदुलारा। भूष णचारुअंगसबसोहैं मोतीमालसुरसरीधारा। प करिग्रीवप्यारीकुमारिकोरोरीझोरिरंगशिरडारा। महामायक्षितिपालभक्तिदे छोड़िमोहहैध्यानति

हारा ४२४॥ रागदेशकतस्थाना ॥सखिकागुदेखुगि
रिधारी लखिमोहिदेवसबन्यारी। बनितानराग
सबगावैं छबिनिरखिमगनहोइधावैं सैननते
बातजनावैं रंगभरीश्यामकोमारी धुंधुरिअबीर
निशिकारी। तहंटेरबबेणुमुरारी संगडालैनवल
दुलारी महिलालनेहसोसारी तीनिलोकप्रभुतू
हौ बिनतीयहश्यामलजूहै प्यासगौरिपदहूहै
क्षितिपालसुताबनवारी ४२५ रचिश्यामलाल
व्रजहोरी गहिसखीमेलिमुखरोरी। नारीसमूह
छबिजोहै इन्द्रादिककोमनमोहै लखिनरअसि
कैअसकोहै अतिशुभगकान्हअरुगोरी। गारीपु
कारितियतारखै हरुपागबातयोंभाखै रसकमल
नयनकोचाखै अंगलपटिज्जातबरजोरी। काशि
रानिपदपावों तौकृष्णआपकोगावों बिनतीक्षि
तिपालसुनावों अबतुरतमेटुसबखोरी ४२६
होलीधूमकरीनंदलाला सँगसखादेतकरताला॥
तियफिरैसंगअतिनीकी रतिकामदेवछबिफीकी
सखिरूपवानघसिपीकीमनबँघोश्यामबनमाला।
उतफेंकिरंगजुरिआई इतग्वालभीरधसिधाई फ
सिमोहलालगरलाई वहबेणुतानतनशाला।

चरणदरशमोहिंदीजै क्षितिपालबिनयसुनिली जै नहिंदेरअापुअबकीजै मिलैंत्रिपुरसुन्दरीबा ली ४२७ चलुदेखैंकुंजबिहारी हियहोतअाजु जियवारी। हरिचन्दज्योतिछबिछीनी अरुमार-तण्डद्युतिहीनी मनदेवनारिबशकीनी घनिश्या मसुखनकीगारी। बादरगुलालघिरिअाई मिलि सखाभोरचढ़िधाई सखिमलिलालगरलाई ति यघलीरंगपिचकारी। दरशगौरिअबदीजै बिन तीतुरतैंसुनिलीजै भजनसफलउरभीजै क्षिति पालचरणतेतारी ४२८ भलीफागुरचीबनमा ली प्रियनाचिदेतकरताली। लखिमोरमुकुटजि यवारी मुखचन्दबदनउजियारी अरुमुरलिता-नबलिहारी उरमोहकठिनशरशाली। तियरसि कलालगहिलीनी तबअबिरमलिमुखदीनी गर लपटिकान्हरसभीनी घरिछैलसखीरंगथाली।कु शजोरितुम्हैंअबटेरी सुनिकुंवरबिनययहमेरी नहिंकरियेप्रभुअतिदेरी क्षितिपालदरशमिलैका ली ४२९ चलुकुंजश्याममिलिहेरी सुनुकुंवर बातहैमेरी। ऋतुबसंतअबअाई जेकामदेवअधि काई भलिवेलिलताछबिछाई जनुकान्हजेसुको

टेरी। संगसखीलालकोदखो बसिमयोचित्रज सलेखो मिलिमोहनातदोउसीखी रतिभईच्या जतुवचेरी। तुवमहामायकोदीजै हियभक्ति उग्रअबकीजै बिनतीबेगिहिसुनिलीजै क्षिति पालआसहैतेरी ४३० ॥ रागपर्जतालहोरीकचौ ॥ सखिरीकहँकान्हलोभाने आयोबैरीबसंतनजा ने। कोकिलकूकहूकउरशालतदवसमलगतपला शफुलाने। बौररसालबानज्योंबेधतपल्लवअरुणा शरासनताने। बिरहबिकलक्षितिपालबालसब कोन्हचहतअबप्राणपयाने ४३१ बिछुरिगयोमे रोश्यामकन्हैया चीरहरनमुरलीकेबजैया। व्या कुलफिरतअचेतबिकलअतिकबमिलिहैंवे सुखके देवैया। धीरसमीरतीरसमलागतछोड़िदईसुधि सुधिकेलवैया। बिरहबिकलक्षितिपालबालसब कबमिलिहैंब्रजकेरबसैया ४३२ प्यारीरीतजिकु वरलाभाने बधिकबसंतबानसंधाने। आहिश्या मतनजरैपीरतेकामदेवकरिजीवनिशाने। बिरह भरब्याकुलनिशिबासरकान्हबिनानहिंजीवनजा ने। बिनययहीक्षितिपालकृष्णजूभक्तिदेइमोहिं शंभुप्रधाने ४३३ ॥ भजनकूटलिख्यतेरागअलहियाकृत्त।

रखानी ॥ हियबिचध्यानकरोजनदुलारी। भूलेहुन हींघरैक्षत्रीकुलसोधारनप्रगटीवहनारी। असुर भक्षिपितुबसतजीवजोसोधारनकरिलियो कुमा री। बनबिचबसतसकलमानुषकोसोवाकोजीवन सुखकारी। पुरुषहाथनहिंमरैएककोउमंत्रपुत्रमा ताहतिडारी। अरिजाकोआरन्वबसतहैतास्तामी पूजितवइप्यारी। जगतमोहजेहिअधिककरतहै ताअनुचरक्षितिपालबिचारी ४३४ समरबीचबै कुण्ठबिहारी कारनकौनभयोदुखभारी। युगल रूपबिचबसतलालजोतेहिअरिबलवभयो सुखा री। सुतगौरीबाहनभखुजोजियजेहिभ्रमतेघिरिग योमुरारी। चौर्यकार्ययककियोपुरुषकहुंतेहिभयोअ नुजलगिकारी। नष्टदेहकरिदियोदेवकोसोअस थलकोपलटिसिधारी। बनपतिमध्यखंडदोउसो हतताहिसुताक्षितिपालपुकारी ४३५ ॥ रागसहा नाकलारखानी ॥ रामजन्मसुनिजगतहुलासा बेगा बाद्यकरिसकलहुलासा। देवगुरोआकुटिलएकहै गीतसमयबिचभयोप्रकाशा। भक्षिरूपतियप्रकट आपुहीलिखतसुघरतहँकियोनिवासा। भानुमि त्रजलबसतनामजोताहिभजीक्षितिपाल भयासा

४३६ ॥ रागदेशतालकव्वीहोरी ॥ सजिभानुतनयगृह होरी मुनिक्रोधप्रगटकीजोरी। निशिबीतिसमय जोहोवै दोउलैलैअंगभिजोवै प्रथमहिजोमा ताखोवै सोलपटिप्रीतिसोतोरी। यमनशोकबि चहोई हैभूषितवाथलसोई तप्तपानिशिरजो ई उड़िदिशापूरिचहुंवोरी। तूदेवसदाउपकारी सुनुहेमिथिलेशकुमारी यहदासविनयअतिभा री क्षितिपालक्षमाभरखोरी ४३७॥

इतिरागप्रकाशसमाप्तम्॥

नाम किताब	नाम किताब	नाम किताब
रामायण रामविलास	रामायण गीतावली स०	रामाभिषेक
रामायण तुलसी कृत	विनयपत्रिका बाबू मो-	आनन्द रघुनन्दन
रामायण सटीक मय	हन लाल कृत	हनूनाटक
मानस दीपिका कोष-	तथा बाबू शिवप्रसाद कृ.	
आदि	लिंग पुराण	**वेदान्त**
तथा जिल्दबन्धी	विष्णु पुराण	योगवाशिष्ठ
तथा मोटे अक्षरों की	भविष्योत्तर पुराण	आनन्दामृतवर्षिणी
मय तसवीर व क्षेपक	वाराह पुराण	सांख्य तत्त्वकौमुदी
रामायण तुलसी कृत	गरुड़ पुराण प्रेतकल्प	पारस भाग
टीका सुखदेवलाल कृत	प्रश्नोत्तर खण्ड	केनोपनिषद
रामायण तुलसी कृत	[illegible] माहात्म्य	
टीका रामचरण दास	**वैद्यक भाषा**	**काव्य**
रामायण तुलसी कृत		सुखसागर काव्याकार
सातों काण्ड अलग भी हैं	निघण्टु	तथा छापे टैप
१ - बालकाण्ड	अमर विनोद	सूरसागर
२ - अयोध्याकाण्ड	वैद्यजीवन	सुधासागर
३ - आरण्य काण्ड	औषधि संग्रह कल्पवल्ली	विश्रामसागर
४ - किष्किन्धा काण्ड	अमृत सागर बड़ी	प्रेमसागर
५ - सुन्दर काण्ड	तथा छोटा	ब्रजविलास बड़ा या छोटा
६ - लंका काण्ड	वैद्यमनोत्सव	कविप्रिया
७ - उत्तर काण्ड	दिल लगन	विजयमुक्तावली
रामायण शब्दार्थ कोष	इलाजुल गुर्बा नागरी	अनेकार्थ छन्दोर्णव पिं०
रामायण का इतिहास		कविकुल कल्पतरु
रामायण मानस दीपिका	**नाटक**	रसराज
रामायण कवितावली	प्रबोध चन्द्रोदय	जगद्विनोद

नाम किताब	नाम किताब	नाम किताब
सतसई सटीक व मूल	ज्ञाना भूषण पं० कृष्ण	बकावली सुमन
सभाविलास	बिहारी कृत	चहार दरवेश
युगुल विलास	सप्तशतिका	क़िस्सा हातिमताई
तुलसी शब्दार्थ	विजय चन्द्रिका	अपूर्व कथा
भजनावली	भूजनेश भूषण	क़िस्सा गुलसनोबर
प्रेमरत्न	सुन्दर विलास	सहस्र रजनी चरित्र
चित्रचन्द्रिका	रामचन्द्रिका सटीक	दास्तान् अमीर हम्ज़ा
बारहमासा बल्देवप्र० कृ०	राग	राबिन्सन का इतिहास
मनोहर लहरी		सीता हरण
गंगालहरी	लावनी बनारसी कृत	सती विलास
यमुना लहरी	गीत रसिका	मुतफ़र्रिक़ात
पियूष लहरी	क़ानून सितार नागरी	
शृंगार बत्तीसी	क़िस्सा वग़ैरह	शनिश्चर की कथा
रामचन्द्रोदय व सतसइ		ज्ञानमाला
सुदामा चरित्र	नानार्थ नौ संग्रहावली	गोपीचन्द भरतरी
नवीन संग्रह	ब्रह्मसार	कथा श्री गंगा जी की
पद्मावत	शिवसिंह सरोज	अवध यात्रा
प्रताप विनोद	भक्तमाल	भरतरी गीत
कालिंजर माहात्म्य	इन्द्रसभा अमानत कृ०	दानलीला नागलीला
सुधामन्दाकिनी	तथा मदारी लाल कृ०	रासलीला ब्रा० प्र० कृ०
शंकर चरित्र		महावली रत्नावली
रामविनय प्र		करी माहात्म्य
सखी विलास		गोपाल सहस्रनाम
मनमोज चौ		यासत्यनारायण
ज्ञानतरंग		इत्यादि

#78

